• जयपुर, मंगलवार, 18 जून 24 • वर्ष 13 • अंक 290 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

पेज @3 आरपीए में क्रिमिनल इंवेस्टिगेशन में फॉरेंसिक्स की भूमिका' पर विशेष...

पेज @5 विकसित एवं संपन्न राजस्थान के लिए राजस्व संग्रहण बढ़ाएं : पंत...

पेज @8 » मुख्य सचिव सुधांश पंत ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम के सफल...

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

पश्चिम बंगाल : कंचनजंगा एक्सप्रेस में मालगाड़ी ने मारी टक्कर, अब तक 15 की मौत, 30 घायल

रेल मंत्री ने 10-10 लाख की आर्थिक मदद का किया ऐलान

कोलकाता/एजेंसी।

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में सोमवार सुबह हुए रेल हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी में हुए ट्रेन हादसे में मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है। इसकी घोषणा रेल मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए दी है। उन्होंने सोमवार को एक्स पर लिखा, पीड़ितों को बढ़ी हुई अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी; मृत्यु की स्थिति में 10 लाख रुपये और गंभीर रूप से चोटिल को 2.5 लाख रुपये और मामूली रूप से घायलों को 50,000 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

इससे पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हादसे पर दुख जताते हुए एक्स पर लिखा कि रेलवे के एनएफआर जोन में दुर्भाग्यपूर्ण हादसा हुआ है। बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। रेलवे, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ पूरे तालमेल के साथ काम कर रहे हैं। घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। वहीं कंचनजंगा एक्सप्रेस हादसे पर प्रधानमंत्री कार्यालय ने मृतकों के परिवार वालों को 2 लाख रुपये और घायलों की 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की है कि पश्चिम बंगाल में रेल दुर्घटना में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

बता दें कि पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में सोमवार को बड़ा रेल हादसा हो गया। न्यू जलपाईगुड़ी के रंगापानी स्टेशन के पास कंचनजंगा एक्सप्रेस पर पीछे से आ रही मालगाड़ी ने टक्कर मार दी। इस हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई है। जबकि कई यात्रियों के घायल होने की भी खबर है।

राष्ट्रपति, पीएम मोदी ने जताया दुख, आर्थिक मदद का भी ऐलान

नई दिल्ली/एजेंसी। पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी में हुए ट्रेन हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक जताया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री कार्यालय ने कंचनजंगा एक्सप्रेस हादसे में जान गंवाने वालों पीड़ित परिवारों को 2 लाख रुपये और घायलों की 50 हजार रुपये की आर्थिक मदद देने का भी ऐलान किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की है कि पश्चिम बंगाल में रेल दुर्घटना में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को 2 लाख रुपये और घायलों की 50 हजार रुपये की आर्थिक मदद देने का भी ऐलान किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की है कि पश्चिम बंगाल में रेल दुर्घटना में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

सीतापुरः परसेंडी रेलवे स्टेशन पर मालगाड़ी में लगी भीषण आग, इलाके में हड़कंप

सीतापुर/एजेंसी।

दिल्ली से असम जा रही मालगाड़ी के एक डिब्बे में सीतापुर के परसेंडी रेलवे स्टेशन पर सोमवार को अज्ञात कारणों से भयानक आग लग गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। क्योंकि डिब्बे में ग्रीस, मोबाइल, प्लास्टिक आदि सामान भरा हुआ था। रेलवे सूत्रों के अनुसार आग लगने के बाद आरपीएफ के इंस्पेक्टर मनोज कुमार और सब इंस्पेक्टर ओमप्रकाश गुर्जर ने फायर ब्रिगेड की मदद से काफी मेहनत और मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि आग मालगाड़ी के डिब्बे में भयानक तरीके से फैल चुकी थी। घटना के बाद सुरक्षिति की जांच की जा रही है ताकि इस प्रकार की घटना फिर से न हो। घटना के बाद स्थानीय प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं ताकि इस प्रकार की दुर्घटनाएं न हों।

न्यूज अपडेट

उदयपुर में भीषण सड़क हादसा : बेकाबू ट्रेलर राहगीरों को रौंदने के बाद खाई में गिरा, 5 की मौत

उदयपुर/एजेंसी। सोमवार को राजस्थान के उदयपुर जिले के बेकरिया थाना इलाके में गोगुंदा-पिंडवाड़ा हाईवे पर फिर हादसा हो गया। तेज रफ्तार में जा रहा एक अनियंत्रित ट्रेलर ने चार राहगीरों को अपनी चपेट में ले लिया। ट्रेलर उन चारों को कुचलते हुए गहरी खाई में जा गिरा। इस सड×क हादसे में तीन राहगीरों समेत ट्रेलर के चालक और परिचालक की मौत हो गई, जबकि एक घायल का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंच गया और स्थिति को संभाला। दुर्घटना के बाद पुलिस प्रशासन ने स्थानीय लोगों की मदद से शवों को स्थानीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया और मृतकों के परिजनों को सूचना दी गई। जानकारी के अनुसार 3 मृतक बेकरिया थाना क्षेत्र के तिलोई के रहने वाले बताए जा रहे हैं। पुलिस जानकारी कर रही है कि ट्रेलर कहां से आया था और कहां जा रहा था। बेकरिया थाना पुलिस पूरे मामले की जांच रही है।

पुलिस के अनुसार गोगुंदा-पिंडवाड़ा हाईवे पर स्थित मलवा चौराहे पर सुबह करीब 11.30 बजे यह हादसा हुआ। एक तेज रफ्तार ट्रेलर मलवा चौराहे के पास अनियंत्रित हो गया। अनियंत्रित ट्रेलर ने राह चलते लोगों को बुरी तरह से कुचल डाला, जिससे उनमें से तीन राहगीरों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद ट्रेलर हाईवे के पास स्थित गहरी खाई में जा गिरा। खाई में गिरने से ट्रेलर के चालक और परिचालक की भी मौत हो गई। हदसे में एक गंभीर घायल को स्थनीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार किया जा रहा है।

नोएडा में चलती कार में लगी भीषण आग, चालक ने कूदकर बचाई जान

नोएडा/एजेंसी। देश के कई हिस्सों के साथ ही नोएडा में भीषण गर्मी का कहर जारी है। दूसरी तरफ आग लगने की घटनाएं भी लगातार सामने आ रही हैं। इसी बीच नोएडा से कार में आग लगने का एक और मामला सामने आया है। इस घटना में एक चलती कार में आग लग गई और कार आग के गोले में तब्दील हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी ने आग पर काबू पा लिया। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।

फायर विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक सोमवार दोपहर करीब 1.55 बजे सुपरटेक मॉल सेक्टर-61 के सामने फ्लाईओवर पर सेक्टर-71 से अट्टा मार्केट सेक्टर-18 की ओर जाती कार (डीएल 16 डीएन 4540) में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई।

हीट वेव के चलते पंजाब, हरियाणा, दिल्ली समेत कई राज्यों में रेड अलर्ट

नई दिल्ली/एजेंसी।

उत्तर भारत समेत कई हिस्सों में गर्मी अपना कहर बरपा रही है। भीषण गर्मी के कारण लोग अपने घरों में बैठने के मजबूर है। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, यूपी समेत कई राज्यों में पारा बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने लू से लेकर भीषण लू की स्थिति रहने तथा तेज सतही हवाओं के साथ रात में गर्मी होने का अनुमान जताया है। अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस रहने की आशंका है।

वहीं भयंकर गर्मी से झुलस रही दिल्ली को अभी राहत मिलने की उम्मीद भी नहीं है। मौसम विभाग ने दिल्ली में गर्मी को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिक सोमा सेन ने कहा है कि दिल्ली में हीटवेव चलेगी और इसे लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। अगले 3-5 दिनों में नॉर्थ ईस्ट इंडिया में मुख्य तौर से मेघालय, असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और मणिपुर में काफी भारी बारिश होने की आशंका है। नॉर्थ इंडिया में हीटवेव चलने का अनुमान है। बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। मध्य प्रदेश में आंधी को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि 18 जून को भी दिल्ली में हीटवेव के हालात रहेंगे और रात के वक्त भी गर्मी की स्थिति रहेगी। झुलस रही दिल्ली के लिए एक खुशखबरी भी है। मौसम विभाग के मुताबिक 19 जून को दिल्ली में आंधी और बारिश की संभावना है। इस दिन तापमान 43 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। इसके अलावा 20 जून को तापमान लुढ़ कर 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। इस दिन आसमान में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं और बारिश या आंधी या धूल भरी आंधी चलने का अनुमान है।

मणिपुर को लेकर एक्शन में सरकार

गृहमंत्री शाह ने बुलाई उच्च स्तरीय बैठक

नई दिल्ली/एजेंसी।

मणिपुर में जारी हिंसा के हालात पर काबू पाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज शाम चार बजे एक उच्च स्तरीय सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस बैठक में मणिपुर के वर्तमान हालात पर चर्चा की जायेगी और आगे की रणनीति पर विचार किया जाएगा। मणिपुर में 3 मई से मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जारी हिंसा के कारण अब तक 100 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं।इस बैठक में मणिपुर के सीएम एन वीरेंद्र सिंह के साथ राज्य के पुलिस और प्रशासन के अधिकारी और केंद्रीय गृह मंत्रालय के आला अधिकारी मौजूद रहेंगे। बीते दिन मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके ने अमित शाह से मुलाकात की थी।

इससे पहले 10 जून को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मणिपुर की हिंसा को लेकर चिंता जताई. नागपुर में संघ की एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'मणिपुर पिछले एक साल से शांति का इंतजार कर रहा है. मणिपुर में 10 साल पहले शांति थी. ऐसा लगा था कि वहां बंदूक संस्कृति खत्म हो गई, लेकिन राज्य में अचानक हिंसा देखने को मिली. मणिपुर की स्थिति पर प्राथमिकता के साथ विचार करना होगा और चुनावी बयानबाजी से ऊपर उठकर राष्ट्र के सामने मौजूद समस्याओं पर ध्यान देने की जरूरत है. अशांति या तो भड़की या भड़काई गई, लेकिन मणिपुर जल रहा है और लोग इस हिंसक तपिश का सामना कर रहे हैं.'

दिल्लीवालों का जीवन आपके हाथ, पानी को लेकर जल मंत्री ने हरियाणा के सामने जोड़े हाथ

नई दिल्ली/एजेंसी।

पानी की किल्लत ने दिल्ली वालों का जीना मुहाल कर दिया है। वहीं अब दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने हरियाणा सरकार के सामने हाथ तक जोड़ दिए है। आतिशी ने हाथ जोड़ कर हरियाणा सरकार से कहा है कि दिल्ली वालों की जीवन अब आपके हाथ में हैं।

दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने कहा,'वजीराबाद बैराज से कई वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स में पानी भेजा जाता है। लेकिन वजीराबाद बैराज में पानी नहीं छोड़ा जा रहा है। वाटर लेवल काफी नीचे चला गया है जिसकी वजह से नदी का तल नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि हम सिर्फ हरियाणा सरकार से आग्रह कर सकते हैं कि वो दिल्ली के लोगों की समस्याओं का निदान करें। अब तक हरियाणा ने यमुना में पानी नहीं छोड़ा है। दिल्ली में पानी की किल्लत जारी है। मुनक कैनाल को काफी कम मात्रा में पानी मिल रहा है, वजीराबाद बैराज को पानी नहीं मिल रहा है। मैं सिर्फ हाथ जोड़ कर हरियाणा सरकार से अपील कर सकता हूं कि दिल्ली के लोगों की जिंदगी आपके हाथ में है।'दिल्ली में भारी जल संकट के बीच आतिशी ने वजीराबाद बैराज और वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का दौरा किया। ग्राउंड जीरो पर पहुंचीं आतिशी ने बैराज में पानी नहीं छोड़े जाने पर नाखुशी जताई है। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने सोमवार को वजीराबाद बैराज का दौरा किया और हरियाणा सरकार से यमुना नदी में पानी छोडने की अपील की। आतिशी ने कहा कि वजीराबाद बैराज को हरियाणा से पानी मिलता है, जो चंद्रावल, ओखला और वजीराबाद के जल उपचार संयंत्रों में जाता है। उन्होंने कहा,अगर पानी नहीं मिलेगा,तो जल उपचार संयंत्र कैसे काम करेंगे। हम हरियाणा सरकार से अपील करते हैं कि दिल्ली के लोग चिंतित हैं और उन्हें यमुना नदी में पानी छोडना चाहिए। बता दें कि आतिशी पहले भी आरोप लगा चुकी हैं कि हरियाणा सरकार यमुना नदी से पानी नहीं छोड़ रही है जिसकी वजह से दिल्ली में पानी की भारी किल्लत है। दिल्ली के कई इलाकों के लोग पानी के लिए तरस रहे हैं। आलम यह है कि वाटर टैंकर के पहुंचते ही लोग पानी के बर्तन लेकर टैंकरों के पीछे दौड़ रहे हैं। लोग पानी के लिए लंबी कतार लगा रहे हैं। इस बीच टैंकर माफियाओं की मनमानी को लेकर भी संग्राम मचा हुआ है। पानी के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी और बीजेपी आमने-सामने है। बीजेपी ने दिल्ली की सड़कों पर उतर कर कई जगहों पर प्रदर्शन किया और दावा किया कि हरियाणा से पूरा पानी छोड़ा जा रहा है और आप सरकार तथा टैंकर माफियाओं की मिलीभगत की वजह से दिल्ली वालों को पानी के लिए तरसना पड़ रहा है।

भारतीय नौसेना की बढ़ेगी ताकत, बेड़े में शामिल होंगी आधुनिक तकनीक वाली छह पनडुब्बियां

नई दिल्ली/एजेंसी। भारतीय नौसेना स्पेन में 'प्रोजक्ट 75 भारत (पी75आ-ई)' के तहत अत्याधुनिक उपकरणों का परीक्षण करने जा रही है। स्पेन की एक जहाज निर्माता (शिपयार्ड) कंपनी नवंतिया के अनुसार इस परीक्षण के बाद भारतीय नौसेना छह आधुनिक पनडुब्बियों को अपने बेड़े में शामिल करेगी। नवंतिया के चेयरमैन रिकार्डो डोमिंगुज गार्सिया बाकुएरो का कहना है कि स्पेन की सरकार और नौसेना पी75आई को लेकर काफी उत्साहित है और हर तरह से इस प्रोजक्ट में भारत की मदद करना चाहती है। इस योजना के तहत भारत सरकार के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। नवंतिया के प्रमुख ने कहा कि जून के आखिरी सप्ताह से भारतीय नौसेना कार्टाजेना के पोत कारखाने में वायु स्वतंत्र प्रणोदन परीक्षण की शुरुआत करेगी। रिकार्डो डोमिंगुज ने आगे कहा कि इस परीक्षण में उनका साथ लार्सन एंड टर्बो (एल एंड टी) कंपनी देगी। परीक्षण के दौरान भारतीय नौसेना को विश्व स्तर की एआईपी तकनीक की जानकारी दी जाएगी।

भारत में लैंगिक असमानता की बढ़ती खाई

विश्व आर्थिक मंच द्वारा हाल में प्रस्तुत किये गए लैंगिक अंतर के आंकड़ों ने एक ज्वलंत प्रश्न खड़ा किया है कि शिक्षा, आय, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में आधी दुनिया को उसका हक क्यों नहीं मिल पा रहा है? निस्संदेह, हमारे सत्ताधीशों को सोचना चाहिए कि लैंगिक अंतर सूचकांक में भारत 146 देशों में 129वें स्थान पर क्यों है? लगातार महिलाओं की दोयम दर्जा की स्थिति का बना रहना नीति-नियंताओं के लिये आत्ममंथन का मौका हैं। निश्चय ही यह स्थिति भारत की तरक्की के दावों से मेल नहीं खाती। इसके बावजूद उम्मीद जगाने वाला तथ्य है कि पिछले वर्ष जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं की एक तिहाई हिस्सेदारी को लेकर विधेयक पारित हो चुका है। इसके बावजूद हाल में सामने आए आंकड़े परेशान करने वाले हैं और तरक्की के दावों पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं। यह विचारणीय प्रश्न है कि सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक नीतियां बनाने और कायदे कानूनों में बदलाव के बावजूद लैंगिक असमानता की खाई गहरी क्यों होती जा रही है। ये स्थितियां समाज में इस मुद्दे पर खुले विमर्श की जरूरत को बताती हैं। हालिया लोकसभा चुनाव में सीमित मात्रा में महिलाओं के संसद में पहुंचने ने भी कई सवालों को जन्म दिया है। निश्चित रूप से तमाम सरकारी घोषणाओं के बावजूद जमीन पर महिला असमानता के दंश विद्यमान रहना बड़ी चुनौती है। लैंगिक अंतर सूचकांक में पिछले साल भारत 127वें स्थान पर था, जो 2022 में 135वें स्थान से 1.4 प्रतिशत अंक और आठ पायदान ऊपर था। लेकिन इस वर्ष फिर दो पायदान ऊपर चढ़ा है। सूचकांक में भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश को 99वें, चीन को 106वें, नेपाल को 117वें, श्रीलंका को 122वें, भूटान को 124वें और पाकिस्तान को 145वें स्थान पर रखा गया है। आइसलैंड (93.5 फीसदी) फिर से पहले स्थान पर है और डेढ़ दशक से सूचकांक में सबसे आगे है। शीर्ष 10 में शेष नौ अर्थव्यवस्थाओं में से आठ ने अपने अंतर का 80 फीसदी से अधिक हिस्सा पाट लिया है। निश्चित तौर पर किसी भी समाज में पूर्ण लैंगिक समानता हासिल करने में लंबा समय लगता है, लेकिन इस दिशा में सत्ताधीशों की तरफ से ईमानदार पहल होनी चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के आंकड़ों की तुलना दक्षिण एशिया के छोटे देशों से नहीं की जा सकती। इसमें दो राय नहीं कि पूरी दुनिया में सरकारों द्वारा लैंगिक समानता के लिये नीतियां बनाने के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं निकले हैं। जिसकी एक वजह समाज में पुरुष प्रधानता की सोच भी है। जिसके चलते यह आभास होता है कि आधी दुनिया के कल्याण के लिये बनी योजनाएं महज घोषणाओं तथा फाइलों तक सिमट कर रह जाती हैं।

भारत में महिलाओं की उपेक्षा, भेदभाव, अत्याचार एवं असमानता की स्थितियों का बना रहना विडम्बनापूर्ण हैं। भारत में रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं को समान अधिकार दिलाने के स्वर तो बहुत सुनने को मिलते हैं, महिलाओं को आजादी के बाद से ही मतदान का अधिकार भी पुरुषों के बराबर दिया गया है, परन्तु यदि वास्तविक समानता की बात करें तो भारत में आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बाद भी महिलाओं की स्थिति चिन्ताजनक एवं विसंगतिपूर्ण है। हमारे सत्ताधीशों के लिये यह तथ्य विचारणीय है कि हमारे समाज में आर्थिक असमानता क्यों बढ़ रही है? हम समान कार्य के बदले महिलाओं को समान वेतन दे पाने में सफल क्यों नहीं हो पा रहे हैं? जाहिर है यह अंतर तभी खत्म होगा जब समाज में महिलाओं से भेदभाव की सोच पर विराम लगेगा। यह संतोषजनक है कि माध्यमिक शिक्षा में नामांकन में लैंगिक समानता की स्थिति सुधरी है। फिर भी महिला सशक्तीकरण की दिशा में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। देर-सवेर महिला आरक्षण कानून का ईमानदार क्रियान्वयन समाज में बदलावकारी भूमिका निभा सकता है। जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक नेतृत्व इस मुद्दे को अपेक्षित गंभीरता के साथ देखे। महिलाएं ही समस्त मानव प्रजाति की धुरी हैं। वो न केवल बच्चे को जन्म देती हैं बल्कि उनका भरण-पोषण और उन्हें संस्कार भी देती हैं। महिलाएं अपने जीवन में एक साथ कई भूमिकाएं जैसे- मां, पत्नी, बहन, शिक्षक, दोस्त बहुत ही खूबसूरती के साथ निभाती हैं। बावजूद क्या कारण है कि आज भी महिला असमानता की स्थितियां बनी हुई है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये जरूरी है कि अधिक महिलाओं को रोजगार दिलाने के लिए भारत सरकार को जरूरी कदम उठाने होंगे। सरकार को अपनी लैंगिकवादी सोच को छोड़ना पड़ेगा। क्योंकि भारत सरकार के खुद के कर्मचारियों में केवल 11 प्रतिशत महिलाएं हैं। सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिये अधिक एवं नये अवसर सामने आने जरूरी है। भारत में महिला रोजगार को लेकर चिंताजनक स्थितियां हैं। सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) नाम के थिंक टैंक ने बताया है कि भारत में केवल 7 प्रतिशत शहरी महिलाएं ऐसी हैं, जिनके पास रोजगार है या वे उसकी तलाश कर रही हैं। सीएमआईई के मुताबिक, महिलाओं को रोजगार देने के मामले में हमारा देश इंडोनेशिया और सऊदी अरब से भी पीछे है। रोजगार या नौकरी का जो क्षेत्र स्त्रियों के सशक्तिकरण का सबसे बड़ा जरिया रहा है, उसमें इनकी भागीदारी का अनुपात बेहद चिंताजनक हालात में पहुंच चुका है। यों जब भी किसी देश या समाज में अचानक या सुनियोजित उथल-पुथल होती है, कोई आपदा, युद्ध एवं राजनीतिक या मनुष्यजनित समस्या खड़ी होती है तो उसका सबसे ज्यादा नकारात्मक असर स्त्रियों पर पड़ता है और उन्हें ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है।

दावोस में हुए वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में ऑक्सफैम ने अपनी एक रिपोर्ट 'टाइम टू केयर' में घरेलू औरतों की आर्थिक स्थितियों का खुलासा करते हुए दुनिया को चौका दिया था। वे महिलाएं जो अपने घर को संभालती हैं, परिवार का ख्याल रखती हैं, वह सुबह उठने से लेकर रात के सोने तक अनगिनत सबसे मुश्किल कामों को करती है। अगर हम यह कहें कि घर संभालना दुनिया का सबसे मुश्किल काम है तो शायद गलत नहीं होगा। दुनिया में सिर्फ यही एक ऐसा पेशा है, जिसमें 24 घंटे, सातों दिन आप काम पर रहते हैं, हर रोज क्राइसिस झेलते हैं, हर डेडलाइन को पूरा करते हैं और वह भी बिना छुट्टी के। सोचिए, इतने सारे कार्य-संपादन के बदले में वह कोई वेतन नहीं लेती। उसके परिश्रम को सामान्यतः घर का नियमित काम-काज कहकर विशेष महत्व नहीं दिया जाता। साथ ही उसके इस काम को राष्ट्र की उन्नति में योगभूत होने की संज्ञा भी नहीं मिलती। प्रश्न है कि घरेलू कामकाजी महिलाओं के श्रम का आर्थिक मूल्यांकन क्यों नहीं किया जाता? घरेलू महिलाओं के साथ यह दोगला व्यवहार क्यों?

मोदी मंत्रिमंडल निरंतरता का द्योतक

अवधेश कुमार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल के बारे में यह टिप्पणी उचित नहीं लगता कि इसके पीछे गठबंधन दलों के साथियों का बहुत ज्यादा दबाव है। 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल में शीर्ष स्तर पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। गृह मंत्री, रक्षा मंत्री, वित्त मंत्री, विदेश मंत्री और यहां तक कि सड़क परिवहन , रेल तथा शिक्षा मंत्री भी पूर्व सरकार के ही है। विरोधी मोदी को तानाशाह या लोकतंत्र विरोधी की उपाधि देते रहे हैं। उनकी आलोचना अभी भी जारी है और वे कह रहे हैं कि मोदी गठबंधन सरकार नहीं चला पाएंगे क्योंकि उनका स्वभाव ही गैर लोकतांत्रिक है। इस तरह की विरोधी आलोचनाओं पर टिप्पणी करने की जगह हमें समय की प्रतीक्षा करनी चाहिए। यह बात सही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2001 से अभी तक मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रुप में कभी बहुमतविहीन सरकार नहीं चलाया। वह जिस तरह बड़े कठोर निर्णय साहस के साथ करते रहे हैं उनका ध्यान करते हुए अनेक लोगों का मानना है कि यह स्वभाव गठबंधन सरकार चलाने के रास्ते की बाधा बन जाएगा। गठबंधन सरकार को लेकर लोग आशंकाएं उठाएंगे लेकिन मोदी के अंदर सरकार चलाने तथा काम करने की इच्छा है। साथी दलों के सामने साथ मिलकर काम करने का जनादेश मिला है तो वो इसका ध्यान बिलकुल रखेंगे। वैसे मंत्रिमंडल गठन से लेकर विभागों के बंटवारे तक यह कहना कठिन है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दबाव में काम कर रहे हैं। थोड़े शब्दों में कहें तो नरेंद्र मोदी का 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल भारत के भविष्य को लेकर उनकी योजनाओं, राजनीतिक आवश्यकताओं, साथी दलों के बीच संतुलन बनाने के साथ अनुभव, उम्र आदि के बीच समन्वय बनाने की कोशिश है। पिछली सरकार के 37 मंत्री इसमें हैं। प्रधानमंत्री सहित कैबिनेट की संख्या 31 है । पिछली सरकार में कैबिनेट की संख्या 26 थी। 16 सांसदों वाले तेलुगू देशम और 12 वाले जद यू को दो-दो मंत्री मिले हैं। कैबिनेट में 21 चेहरे पुराने हैं। भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की स्वास्थ्य मंत्री के रुप में वापसी हुई है। सहयोगी दलों में हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (हम) के नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री 78 वर्षीय जीतन राम मांझी, जदयू के राजीव रंजन सिंह, तेलुगू देशम के 36 वर्षीय के राममोहन नायडू, लोजपा के 41 वर्षीय चिराग पासवान और 37 साल की रक्षा खड्से जैसी सरकार की सबसे युवा मंत्री को आधार बनाएं तो कैबिनेट का चेहरा आपकी समझ में आ जाएगा। पिछली सरकार में केवल तीन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार के थे। इस बार इनकी संख्या 5 हो गई है। इनमें हरियाणा से रविंदरजीत सिंह, जम्मू कश्मीर से जितेंद्र सिंह और राजस्थान से अर्जुन राम मेघवाल की

स्थिति पिछले सरकार के समान है। उत्तर प्रदेश से रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी को स्वतंत्र प्रभार के साथ राज्य मंत्री बनाया गया है। पिछली बार 29 राज्य मंत्री थे, इस बार 36 हैं। मंत्रिमंडल में पांच पूर्व मुख्यमंत्री हैं। 33 मंत्री पहली बार केंद्र सरकार का हिस्सा बने हैं जिनमें सात सहयोगी दलों के हैं।

इससे आगे सामाजिक संतुलन की दृष्टि से देखें तो पिछड़ी जातियों के 27, अनुसूचित जाति के 10, अनुसूचित जनजाति के पांच और अल्पसंख्यक समुदाय के पांच मंत्री बनाए गए हैं। इस तरह पिछड़ा, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अल्पसंख्यक समुदाय के 47 मंत्री हुए। देशव्यापी प्रतिनिधित्व की दृष्टि से देखें तो इनमें 24 राज्यों का प्रतिनिधित्व है। पंजाब से भाजपा का कोई सांसद नहीं है लेकिन रवनीत सिंह बिट्टू को राज्य मंत्री बनाया गया है। उत्तर प्रदेश के परिणाम को देखते हुए माना जा रहा था कि वहां से कम मंत्री होंगे लेकिन 10 मंत्री बनाए गए हैं और बिहार से आठ। सात महिलाएं हैं। केरल में भाजपा की पहली बार विजई हुई है इसलिए सुरेश गोपी को मंत्री पद मिलना ही था। दूसरे नेता केरल भाजपा के महासचिव जॉर्ज कोरियन हैं जिन्होंने 1970 में जनसंघ से लेकर लगातार भाजपा के लिए संघर्ष किया था। बंगाल से दो लोकसभा सदस्यों डॉक्टर सुकांत मजूमदार और मतुआ समुदाय के शांतनु ठाकुर को राज्य मंत्री के रूप में शामिल किया गया है। इनमें सुकांत पहली बार मंत्री बने हैं लेकिन शांतनु पिछली सरकार में जुलाई 2021 से जहाजरानी राज्य मंत्री रहे हैं। सुकांत उत्तरी बंगाल से हैं तो शांतनु ठाकुर दक्षिण बंगाल के मतुआ समुदाय से हैं जो अनुसूचित जाति वर्ग में आते हैं। भाजपा ने उत्तर बंगाल की आठ में से 5 सीट पर जीत दर्ज की है। शांतनु ठाकुर कोलकाता से सटे उत्तर 24 परगना जिले में बनगांव सीट से जीते तो सुकांत उत्तर बंगाल की बालूरघाट सीट से। बंगाल में यदि बेहतर विजय मिली होती तो वहां से और मंत्री बनाए जाते। इस तरह कोई नहीं कह सकता कि यह मंत्रिमंडल कुछ क्षेत्र, समूह, कुछ जातियां या परिवारों तक सीमित है। इन सबको एक साथ मिलाकर देखें तो पहले निष्कर्ष आएगा कि यह नीतियों और व्यवहार में निरंतरता का मंत्रिमंडल है। सीसीएस यानी सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 2019 से हैं। इसलिए नीति में कोई बदलाव होगा ऐसा मानने का कोई कारण नहीं है। वास्तव में भाजपा के अंदर बहुमत न मिलने से निराशा और चिंता अवश्य होगी किंतु 10 वर्षों के शासन में आंतरिक और बाह्य नीतियों में स्थायित्व आ चुका है। निश्चित रूप से विश्व की दृष्टि मंत्रिमंडल पर रही होगी और संदेश जा चुका है कि रक्षा, सुरक्षा, विदेश, वित्त सहित अन्य प्रमुख मामलों में नीतियां और व्यवहार स्थिर रहने वालीं हैं। सड़क परिवहन एवं अन्य निर्माण के क्षेत्र में नितिन गडकरी की भूमिका की प्रशंसा सभी दलों ने की है और सड़कों के मामले में भारत की विश्व स्तरीय पहचान बन चुकी है। विश्व भर के निवेशक सड़क सहित भारत की आधारभूत संरचना में निवेश करने के लिए खजाना खोल बैठे हैं और मंत्री परिषद की निरंतरता से वे आश्वस्त हुए होंगे। एक पार्टी की बहुमत तथा गठबंधन की सरकार के कार्य व्यवहारों में अंतर रहा है। लेकिन कोई सरकार ऐसी नहीं होगी कि पुलवामा जैसी घटना के प्रत्युत्तर पर गठबंधन में मतभेद की चिंता में उस तरह का कदम न उठाया जाए। देश का आर्थिक विकास, सड़कों का विस्तार, अंतरिक्ष सुरक्षा तथा रक्षा के मामले में सक्षमता और आत्मनिर्भरता का विरोध कौन पार्टी करेगा?

जिन्हें विवादास्पद कहा जा रहा है उनमें सर्वोपरि समान नागरिक संहिता है जो भाजपा के चुनावी वादों में शामिल है। इस संदर्भ में मोदी सरकार के कदमों को लेकर दृष्टि रखनी होगी। हालांकि जद यू ने इसका विरोध नहीं किया केवल ठीक प्रकार से विचार कर लाने की बात की थी। भाजपा को बहुमत होता तो समान नागरिक संहिता को संसद के पटल पर लाने और पारित करने में समस्या नहीं होती। क्या मोदी सरकार इस विषय को कुछ समय के लिए एजेंडा से बाहर रखेगी? अगर गठबंधन से 72 में केवल 11 मंत्री हैं तो इसे दबाव में आना तो नहीं कह सकते। इनमें जदयू के ललन सिंह को छोड़कर कोई ऐसा नहीं जो अतिवादी सेक्युलरवाद का प्रतिनिधि कहा जा सके। वैसे भी मंत्रिमंडल में इतने अनुभवी व्यक्ति हैं कि कोई मतभेद या सहमति उभरने पर अपने अनुभव के आधार पर वह समाधान कर लेंगे। 43 ऐसे मंत्री हैं जो तीन या उससे अधिक बार सांसद रह चुके हैं। 39 मंत्रियों के पास पहले भी केंद्र में मंत्री के रूप में काम करने का अनुभव है। सर्वानंद सोनोवाव, मनोहर लाल खट्टर शिवराज सिंह चौहान, एचडी कुमार स्वामी, जीतन राम मांझी जैसे पांच पूर्व मुख्यमंत्री हैं। मंत्रियों में 23 ऐसे हैं जो राज्य में मंत्री के रूप में काम कर चुके हैं और 34 के पास राज्य विधानसभा में भागीदारी का अनुभव है। इतने अनुभवी नेताओं के रहते हुए तत्काल यह नहीं मानना चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगले 5 वर्षों में विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था तथा 2047 तक विश्व की आर्थिक महाशक्ति बनाने जैसे लक्ष्य के मार्ग में मंत्रिमंडल आपसी मतभेद के कारण बाधा बन जाएगा।

मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी

डॉ. वंदना सेन

भारत में ऐसे कई महान व्यक्तित्व हुए हैं, जिनका जीवन हमको देश के लिए जीना सिखाता है। उनके हर कदम भारत के वीर भाव को ही प्रदर्शित करते थे। यहां यह बताना भी बहुत जरुरी है कि देश याने क्या? देश केवल भूमि नहीं, बल्कि वहां रहने वाली संतति ही है। इसलिए स्वाभाविक रूप से यही कहा जा सकता है कि देश के महानायकों ने जिस वीरत्व भाव के साथ जीवन जिया, वह देश की संतति को प्रेरणा देने वाला ही है। लेकिन आज सबसे बड़ा सवाल यह है कि हम इन महानायकों को कितना अपने जीवन में उतारते हैं? यथार्थ यही है कि आम जन के लिए जीवन का उत्सर्ग करने वाले इन योद्धाओं को हम लगभग विस्मृत ही कर चुके हैं। आज हमको अपने नायकों को पहचानने की आवश्यकता है। रानी लक्ष्मी बाई उन नायकों की शृंखला में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं।

वीरांगना नाम सुनते ही हमारे मन मस्तिष्क में रानी लक्ष्मी बाई की छवि उभरने लगती है। भारतीय वसुंधरा को अपने वीरोचित भाव से गौरवान्वित करने वाली झांसी की रानी लक्ष्मीबाई सच्चे अर्थों में वीरांगना ही थीं। वे भारतीय महिलाओं के समक्ष अपने जीवन काल में ही ऐसा आदर्श स्थापित करके विदा हुई, जिससे हर कोई प्रेरणा ले सकता है। वे वर्तमान में महिला सशक्तिकरण की जीवंत मिसाल भी हैं। कहा जाता है कि सच्चे वीर को कोई भी प्रलोभन अपने कर्तव्य से विमुख नहीं कर सकता। ऐसा ही रानी लक्ष्मीबाई का जीवन था। उसे अपने राज्य और राष्ट्र से एकात्म स्थापित करने वाला प्यार था। वीरांगना के मन में हमेशा यह बात कचोटती रही कि देश के दुश्मन अंग्रेजों को सबक सिखाया जाए। इसी कारण उन्होंने यह घोषणा की कि मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी। इतिहास बताता है कि इस घोषणा के बाद रानी ने अंग्रेजों से युद्ध किया। वीरांगना लक्ष्मीबाई के मन में अंग्रेजों के प्रति किस कदर घृणा थी, वह इस बात से पता चल जाता है कि जब रानी का अंतिम समय आया, तब ग्वालियर की भूमि पर स्थित गंगादास की बड़ी शाला में रानी ने संतों से कहा कि कुछ ऐसा करो कि मेरा शरीर अंग्रेज न छू पाएं। इसके बाद रानी स्वर्ग सिधार गईं और बड़ी शाला में स्थित एक झोपड़ी को चिता का रुप देकर रानी का अंतिम संस्कार कर दिया। और अंग्रेज देखते ही रह गए। हालांकि इससे पूर्व रानी के समर्थन में बड़ी शाला के संतों ने अंग्रेजों से भीषण युद्ध किया, जिसमें 745 संतों का बलिदान भी हुआ, पूरी तरह सैनिकों की भांति अंग्रेजों से युद्ध करने वाले संतों ने रानी के शरीर की मरते दम तक रक्षा की।

जिन महापुरुषों के मन वीरोचित भाव से भरा होता है, उसका लक्ष्य सामाजिक उत्थान और राष्ट्रीय उत्थान ही होता है। वह एक ऐसे आदर्श चरित्र को जीता है, जो समाज के लिए प्रेरणा बनता है। इसके साथ ही वह अपने पवित्र उद्देश्य की प्राप्ति के लिए सदैव आत्मविश्वासी, कर्तव्य परायण, स्वाभिमानी और धर्मनिष्ठ होता है। ऐसी ही थीं महारानी लक्ष्मीबाई। उनका जन्म काशी में 19 नवंबर 1835 को हुआ। इनके पिता मोरोपंत ताम्बे चिकनाजी अप्पा के आश्रित थे। इनकी माता का नाम भागीरथी बाई था। महारानी के पितामह बलवंत राव के बाजीराव पेशवा की सेना में सेनानायक होने के कारण मोरोपंत पर भी पेशवा की कृपा रहने लगी। लक्ष्मीबाई अपने बाल्यकाल में मनु व मणिकर्णिका के नाम से जानी जाती थीं। सन 1850 मात्र 15 वर्ष की आयु में झांसी के महाराजा गंगाधर राव से मणिकर्णिका का विवाह हुआ। एक वर्ष बाद ही उनको पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। लेकिन चार माह पश्चात ही उस बालक का निधन हो गया। राजा गंगाधर राव को तो इतना गहरा धक्का पहुंचा कि वे फिर स्वस्थ न हो सके और 21 नवंबर 1853 को चल बसे। यद्यपि महाराजा का निधन महारानी के लिए असहनीय था, लेकिन फिर भी वे घबराई नहीं, उन्होंने विवेक नहीं खोया। राजा गंगाधर राव ने अपने जीवनकाल में ही अपने परिवार के बालक दामोदर राव को दत्तक पुत्र मानकर अंग्रेज सरकार को सूचना दे दी थी। परंतु ईस्ट इंडिया कंपनी की सरकार ने दत्तक पुत्र को अस्वीकार कर दिया। 27 फरवरी 1854 को लार्ड डलहौजी ने गोद की नीति के अंतर्गत दत्तक पुत्र दामोदर राव की गोद अस्वीकृत कर दी और झांसी को अंग्रेजी राज्य में मिलाने की घोषणा कर दी। यह सूचना पाते ही रानी के मुख से यह वाक्य प्रस्फुटित हो गया, मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी। यहीं से भारत की प्रथम स्वाधीनता क्रांति का बीज प्रस्फुटित हुआ। रानी लक्ष्मीबाई ने सात दिन तक वीरतापूर्वक झांसी की सुरक्षा की और अपनी छोटी-सी सशस्त्र सेना से अंग्रेजों का बड़ी बहादुरी से मुकाबला किया। रानी ने खुले रूप से शत्रु का सामना किया और युद्ध में अपनी वीरता का परिचय दिया। वे अकेले ही अपनी पीठ के पीछे दामोदर राव को कसकर घोड़े पर सवार हो, अंग्रेजों से युद्ध करती रहीं। बहुत दिन तक युद्ध का क्रम इस प्रकार चलना असंभव था। सरदारों का आग्रह मानकर रानी ने कालपी प्रस्थान किया। वहां जाकर वे शांत नहीं बैठीं।

उन्होंने नाना साहब और उनके योग्य सेनापति तात्या टोपे से संपर्क स्थापित किया और विचार-विमर्श किया। रानी की वीरता और साहस का लोहा अंग्रेज मान गए, लेकिन उन्होंने रानी का पीछा किया। रानी का घोड़ा बुरी तरह घायल हो गया और अंत में वीरगति को प्राप्त हुआ, लेकिन रानी ने साहस नहीं छोड़ा और शौर्य का प्रदर्शन किया। कालपी में महारानी और तात्या टोपे ने योजना बनाई और अंत में नाना साहब, शाहगढ़ के राजा, बानपुर के राजा मर्दन सिंह आदि सभी ने रानी का साथ दिया। रानी ने ग्वालियर पर आक्रमण किया और वहां के किले पर अधिकार कर लिया। विजयोल्लास का उत्सव कई दिनों तक चलता रहा लेकिन रानी इसके विरुद्ध थीं। यह समय विजय का नहीं था, अपनी शक्ति को सुसंगठित कर अगला कदम बढ़ाने का था।

इधर जनरल स्मिथ और मेजर रूल्स अपनी सेना के साथ संपूर्ण शक्ति से रानी का पीछा करते रहे और आखिरकार वह दिन भी आ गया जब उसने ग्वालियर का किला घमासान युद्ध करके अपने कब्जे में ले लिया। रानी लक्ष्मीबाई इस युद्ध में भी अपनी कुशलता का परिचय देती रहीं। 18 जून 1858 को ग्वालियर का अंतिम युद्ध हुआ और रानी ने अपनी सेना का कुशल नेतृत्व किया। वे घायल हो गईं और अंततः उन्होंने वीरगति प्राप्त की। रानी लक्ष्मीबाई ने स्वातंत्र्य युद्ध में अपने जीवन की अंतिम आहुति देकर जनता जनार्दन को चेतना प्रदान की और राष्ट्रीय रक्षा के लिए बलिदान का संदेश दिया।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के बिना भाजपा का कोई वजूद ही नहीं

आरके सिन्हा

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत मृदु स्वभाव वाले और मितभाषी हैं। वे किसी खास मुद्दे या अवसर पर ही अपनी बेबाक राय रखते हैं। लेकिन, जब भी वे कुछ कहते हैं तो उसे गौर से सारा देश सुनता और समझने की कोशिश करता है। उनके वक्तव्यों की पूरे देश में विभिन्न कोणों से व्याख्या होने लगती है। हाल ही में आए लोकसभा चुनाव के बाद डॉ. मोहन भागवत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं पर सांकेतिक और परोक्ष रूप से 'अहंकारी' होने के आरोप लगाकर राजनीतिक क्षेत्रों में, खासकर भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच भूचाल सा ला दिया है। मोहन भागवत ने महाराष्ट्र के नागपुर में संघ के कार्यक्रम में कहा कि "एक सच्चा सेवक काम करते समय मर्यादा बनाए रखता है। उसमें कोई अहंकार नहीं होता कि 'मैंने यह किया।' केवल ऐसा व्यक्ति ही सेवक कहलाने का अधिकारी है।" आखिर वे अहंकार पर चर्चा करके क्या कहना चाहते हैं? एक आमराय यह भी है कि डॉ. भागवत की दृष्टि में भाजपा के कुछ नेता सत्ता पर काबिज होने के बाद विनम्र नहीं रहे। वे अहंकारी हो गए। वे आम जनता के सरोकारों से दूर हो गए। उन्होंने जनसेवा के कामों से अपने को दूर कर लिया। इसी कारण के चलते ही जनता ने लोकसभा चुनाव में भाजपा को अपेक्षित सफलता नहीं दी।

मुझे भाजपा के एक प्रमुख सहयोगी संगठन के शिखर पदाधिकारी बता रहे थे कि वे कुछ माह पहले किसी जरूरी काम के सिलसिले में एक बार अति प्रमुख स्थान रखने वाले एक केन्द्रीय मंत्री से मिले। मंत्री जी उन महोदय के काम से और संघ निष्ठा से अच्छी तरह वाकिफ थे। वे उम्र और तजुर्बे में मंत्री जी से बड़े हैं। मंत्री जी को पता था कि उन्होंने संघ के कार्यकर्ता के रूप में अपना सारा जीवन खपा दिया है। इतना सब कुछ होने पर भी जब उन्होंने कहा कि संघ ने मुझे यह दायित्व दिया है और आपका सहयोग चाहिए । तब मंत्री जी ने कहा, "यह दायित्व आपने मुझसे पूछकर लिया था क्या?" उन केन्द्रीय मंत्री जी ने उन संघ निष्ठ वरिष्ठ कार्यकर्ता सज्जन को खड़े-खड़े ही चलता कर दिया। मंत्री जी भूल गए कि भाजपा को मजबूती संघ और उसके सहयोगी संगठनों से ही मिलती है। इसमें कोई शक नहीं है कि भाजपा के उन नेताओं को अपनी सोच में बदलाव तो लाना होगा जो संघ के महत्व और विचारधारा से परिचित नहीं है। संघ के बिना भाजपा का कोई वजूद ही नहीं है। कुछ ऐसे लोग भी संघ के नाम पर भाजपा के शीर्ष पर पहुंच गए, जिनका स्वयं का संघ कार्य का न तो कोई अनुभव है न ही कभी वे संघ में किसी दायित्व के पदों पर रहे हैं। हां, यह अवश्य है कि वे संघ परिवार से आते हैं और उनके पिता या बड़े भाई संघ-निष्ठ कार्यकर्ता या पदाधिकारी रहे हैं।

अपने भाषणों में मोहन भागवत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तो हमेशा तारीफ करते रहे हैं। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के समय, मोहन भागवत ने कहा था- "इस प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में पधारने से पहले प्रधानमंत्री जी ने कठोर व्रत रखा। जितना कठोर व्रत रखने को कहा था उससे कई गुना अधिक कठोर व्रताचरण उन्होंने किया। मेरा उनसे पुराना परिचय है और मैं जानता हूं, वो तपस्वी हैं ही।" संघ भाजपा का अभिभावक संगठन है तो यह स्वाभाविक है कि उसका भाजपा पर असर तो रहेगा ही, साथ ही, प्रधानमंत्री मोदी संघ के सक्रिय जीवनदानी पूर्णकालिक प्रचारक भी रहे हैं। अतः मोदी जी, राजनाथ सिंह आदि की बात अलग है । वे संघ को समझते हैं । कुछ समय से दबी-जुबान से यह भी चर्चा होती रही है कि क्या भाजपा हमेशा संघ के प्रभाव में ही काम करती है? अगर नहीं तो संघ का भाजपा पर नियंत्रण किस हद तक है। सही बात तो यह है कि संघ के पचासों आनुषांगिक संगठन अपना-अपना कार्य स्वतंत्र रूप से करते हैं । पर संघ का परोक्ष नियंत्रण और मार्गदर्शन तो रहता ही है जिसे सभी मानते भी हैं।

क्या नड्डा को संघ और भाजपा के संबंधों पर यह सब कहना चाहिए था या नहीं, पर कहीं न कहीं संकेत तो ऐसे ही मिल रहे हैं कि लोकसभा चुनाव के दौरान ही संघ और भाजपा के कुछ नेताओं के बीच कुछ वैचारिक मतभेद उत्पन्न होने लगे थे। हालांकि मैं इस संबंध में कुछ भी पुख्ता रूप से नहीं कह सकता कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश में चुनाव में हार के बाद संघ की ओर से ही उम्मीदवारों के चयन के लिए दिए गए सुझावों पर ध्यान नहीं दिया। संघ और भाजपा लंबे समय से सभी चुनावों में मिलकर काम करते रहे हैं। हां, यह सच है कि भाजपा में अन्य दलों से बहुत सारे नेता शामिल होते रहे हैं। मुमकिन है कि संघ की सोच को लेकर उनकी कोई बहुत निष्ठा न भी हो। पर यह कोई नहीं मान सकता कि भाजपा को अब संघ के साथ और सहयोग की जरूरत नहीं रही है। भाजपा को संघ और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों का अनुसरण करना ही होगा। पंडित दीनदयाल जी और अटल जी अहंकार से कोसों दूर थे। वे सज्जनता और विनम्रता की प्रतिमूर्ति थे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ही मुझे 1966 में भारतीय जनसंघ में लाए और उनके जीवन के अंतिम क्षणों तक मैं उनका प्रवास सहयोगी रहा।

वे एक गम्भीर दार्शनिक एवं गहन चिंतक होने के साथ-साथ समर्पित संगठनकर्ता और नेता थे, जिन्होंने सार्वजनिक जीवन में व्यक्तिगत शुचिता एवं गरिमा के उच्चतम आयाम स्थापित किए। जब मैंने उनके साथ बिहार में 1960 के दशक में काम किया तब मैं किशोर ही था। उनकी शख्सियत में दंभ का नामो-निशान तक नहीं था। एक बार हम प्रवास में झारखंड के एक सुदूर कस्बे में एक ही कमरे में ठहरे थे और मैंने उनकी धोती साफकर बाहर फैला दी थी । मुझे उनकी डांट पड़ी थी । उन्होंने कहा था कि "यह काम" मैं स्वयं करता हूं, तुमने बिना पूछे क्यों किया । भाजपा के नेताओं को सदैव इन महान संस्थापकों के विचारों और जीवनशैली का अनुसरण करना होगा।

याद रख लें कि किसी ठोस विचारधारा के बिना किसी राजनीतिक दल का कोई मतलब नहीं है। संघ की मार्फत ही भाजपा "राष्ट्रीय" शब्द को गहराई से समझती है। मोहन भागवत ने एक बार कहा भी था कि राष्ट्रवाद शब्द समाज के लिए ठीक नहीं है। यह शब्द सीमित करता है। वहीं राष्ट्रीयता शब्द विस्तार देता है। "वाद" शब्द हमेशा स्वार्थ के लिए होता है। स्वार्थ की पूर्ति होते ही मोहभंग हो सकता है, जबकि राष्ट्रीयता से आत्मिक जुड़ाव होता है। मोहन भागवत साफ बोलते हैं। मणिपुर की अशांति पर भी मोहन भागवत ने अपनी राय रखी है। "मणिपुर एक साल से शांति की तलाश में है। इस पर प्राथमिकता से चर्चा होनी चाहिए। राज्य पिछले 10 वर्षों से शांत था। ऐसा लग रहा था कि पुरानी 'बंदूक संस्कृति' खत्म हो गई है। वहां जो अचानक तनाव पैदा हुआ या करवाया गया, उसकी आग में वह अभी भी जल रहा है। इस पर कौन ध्यान देगा? इसे प्राथमिकता देना और इस पर ध्यान देना हमारा कर्तव्य है,"- यह बेबाक टिप्पणी डॉ. मोहन भागवत की है ।

निस्संदेह पिछले लगभग एक साल से मणिपुर जल रहा है। वहां पर हिंसा और कत्लेआम जारी है। स्थिति काबू में आ ही नहीं रही है। जब लगता है कि अब मणिपुर में अमन की बहाली होने वाली है, तब ही उधर से कोई बुरी खबर सामने आ जाती है। मणिपुर की स्थिति ने सारे देश को परेशान किया हुआ है। जाहिर है कि मोहन भागवत की मणिपुर पर राय से सारा देश अपने को जोड़ता है। अब देश की चाहत है कि मणिपुर में अमन की बहाली हो जाए और संघ-भाजपा के संबंधों में पहले वाली गर्मजोशी दिखाई दे। यह होगा तभी जाकर भाजपा कार्यकर्ताओं और राष्ट्रवादी सोच के नागरिकों का मनोबल बढ़ेगा ।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

संक्षिप्त खबर

श्रीमद् भागवत कथा के भंडारे में हजारों लोगों ने प्रसादी पाई

चमकता राजस्थान, धौलपुर (रामदास तरुण)। श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन का बाबू महाराज के मंदिर खानपुर मीना में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है ! यह आयोजन सर्व समाज के लोगो द्वारा किया गया है ! इस कार्यक्रम में आस, पास के गांव के महिला, पुरुष, बच्चे, व संत महात्माओं ने हजारों की संख्या में आकर प्रसादी ग्रहण की, श्रीमद् भागवत कथा के भंडारे का आयोजनसभी गांव वासियों ने हिल - मिलकर बड़े मनो योग के साथ भंडारे का आयोजन किया गया ! सभी लोगों ने अपनी - अपनी जिम्मेदारी लेकर कार्य को संभाला, कार्य पूर्ण हुआ ! कहावत में कहां गया है ! हरि नाम की लूट है !लूटी जाए तो लूट अंतकाल पछताएंगे नहीं तो प्राण जाएंगे छूट इसीलिए हर मनुष्य को अपने जीवन में हरि परमात्मा का स्मरण, एवं रोजगार धंधा करना चाहिए, भजन करने से आत्मा को संतुष्टि मिलती है, रोजगार धंधे से परिवार चलता है। इसलिए हर मनुष्य को इन शब्दों को कर्म में ढ़ालने की जरूरत है, जस करनी, तस भरनी जैसा करोगे वैसा, आपको भोग भोगना पड़ेगा, आज के कार्यक्रम में कई हजारों हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

हिंडौन सिटी में हर्षोल्लास और उमंग से मना ईद उल अजहा का त्यौंहार

चमकता राजस्थान, हिंडौन सिटी (राजवीर सिंह)। सोमवार को गांव गददीपुरा में ईद उल अजहा की नमाज सुबह 7:15 मिनट पर अदा की गई जिस में सभी गांव वालों ने देश प्रदेश क्षेत्र में अमन-चैन की दुआ की गई गांव के युवाओं ने नमाज पढ़ने वाले के लिए सरबत व ठन्डे पानी की व्यवस्था की। ईदगाह पर थाना सदर की तरफ से कांस्टेबल वीरेन्द्र कुमार कुमार आए ओर सभी को ईद की मुबारकबाद दी इस मौके पर असरफ गद्दी,पंचायत समिति सदस्य सद्दाम खान,जीएसएस अध्यक्ष अजीज खान, शौकीन खान, संजीत, अंसार, इमरान, डॉ. आरिफ, वाहिद, वकील मंजूर अली, आशिक अली आदि मौजूद रहे।

शुभम ने राज्य स्तरीय बालिका बॉक्सिग चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण

चमकता राजस्थान, नदबई (राजवीर सिंह)। राजस्थान बॉक्सिग संघ के तत्वावधान में दौसा में आयोजित छठी राजस्थान राज्य स्तरीय जूनियर बालिका बॉक्सिग चैंपियनशिप में नदबई कस्बे की शुभम चौधरी ने 46 से 48 वजन वर्ग में स्वर्ण पदक जीता तथा राज्य स्तरीय बालिका बॉक्सिग प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ बॉक्सर का भी अवार्ड प्राप्त किया। भारत बॉक्सिग अकादमी के एन.आई.एस. बॉक्सिग कोच अजय फ़ौजदार द्वारा प्रशिक्षित छः खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर पहुँच कर नदबई कस्बे का नाम रोशन कर चुके हैं तथा विभिन्न राज्य स्तरीय बाक्सिग प्रतियोगिता में मेडल प्राप्त कर चुके हैं बॉक्सिग कोच अजय फौजदार ने बताया कि आने वाले वर्षों में ओर भी बेहतर परिणाम इस अकादमी द्वारा निश्चित रूप से दिये जाएँगें। भरतपुर बांक्सिग एसोसिएशन के चेयरमैन डा.राकेश चाहर तथा सचिव संदीप देशवाल द्वारा बताया गया कि शुभम् चौधरी आगामी नेशनल जूनियर बॉक्सिग प्रतियोगिता में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे।

राजपरिवार के सदस्य पद्मनाभ सिंह का लंदन में कार एक्सीडेंट

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के पूर्व जयपुर राजपरिवार के सदस्य और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के बेटे पद्मनाभ सिंह का एक्सीडेंट हो गया है। पद्मनाभ अपने पिता नरेंद्र सिंह और बहन गौरवी कुमारी के साथ छुट्टियां बिताने के लिए पिछले कुछ दिनों से लंदन गए हुए हैं। लंदन में हुए कार एक्सीडेंट में पद्मनाभ घायल हो गए। एक्सीडेंट के दौरान कार में पद्मनाभ के साथ पिता नरेंद्र और बहन गौरवी भी थीं। हादसे में पद्मनाभ को चोट लगी लेकिन नरेंद्र और गौरवी सुरक्षित हैं। लंदन के एक अस्पताल में पद्मनाभ सिंह की सर्जरी हुई है। बेटे से मिलने के लिए दीया कुमारी भी लंदन पहुंच गई हैं।

हादसा कुछ दिन पहले हुआ था लेकिन इसकी जानकारी किसी को नहीं दी गई। दीया कुमारी ने भी हादसे की जानकारी साझा नहीं की और अपने बेटे से मिलने के लिए लंदन गई। मुख्यमंत्री के अध्यक्षता में होने वाली बैठकों से भी दीया कुमारी शामिल नहीं हो पा रही हैं। अब यह जानकारी सामने आई हैं कि वे राजस्थान में नहीं बल्कि लंदन गई है। लंदन के अस्पताल में पद्मनाभ सिंह की सर्जरी हुई है और अब वे ठीक हैं। उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है।

पद्मनाभ सिंहः पूर्व राजपरिवार सदस्य पद्मनाभ सिंह जाने माने पोलो खिलाड़ी हैं। उन्होंने पोलो खिलाड़ी के रूप में अपने करियर की शुरूआत वर्ष 2015 में लंदन से की थी। वे लंदन के विंडसर में गाड?र्स पोलो क्लब के सदस्य बने थे। बाद में उन्होंने 2017 में हर्लिंगम पार्क की ऐतिहासिक यात्रा में भारतीय नेशनल टीम की कमान संभाली थी। पद्मनाभ से पहले उनके नाना भवानी सिंह भी भारतीय टीम का नेतृत्व कर चुके हैं। हाल ही में पद्मनाभ अपनी बहन गौरवी के साथ स्कॉटलैंड के ड्रमंड कैसल में हुए डियोर क्रूज शो में शामिल हुए थे।

शांति व हर्षोल्लास के साथ मनाया ईद -उल -अजहा

चमकता राजस्थान
चौहमला झालावाड़ (रमेश मोदी)। चौमहला में बकरीद का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, इस दौरान कुंडला रोड स्थित ईदगाह पर मोमिनों ने नमाज अदा की, आज सवेरे 8 बजे जामा मस्जिद के इमाम हनीफ खान ने ईदगाह में नमाज अदा करवाई, सदर अमजद खान ने नगरवासियों को ईद की मुबारक बाद दी वही

➲ ईदगाह पर पढ़ी गयी ईद की सामुहिक नमाज, मांगी देश में अमन चैन की दुआएं

गंगधार कस्बे में सदर सलीम खान ने बताया कि सुबह 7 बजे जामा मस्जिद से जुलूस रवाना होकर ईदगाह पहुचा, जंहा पेश इमामं अब्दुल खालिद ने 8 बजे नमाज अदा करवाई, जिसमे देश मे अमन चेन व शांति की दुआ मांगी, इस दौरान बच्चों में खासा उत्साह नजर आया, जो एक दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारक बाद दे रहे थे ईदगाह के आसपास पुलिस प्रशासन भी मुस्तेदी से मौजूद रहा - बकरीद के त्योहार को ईद -उल - अजहा के नाम से भी जाना जाता है, जो मुस्लिम धर्म के बडे त्योहारों में शुमार होता है।

धौलपुर जिले भर में हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया कुर्बानी का त्यौहार ईदुल अजहा

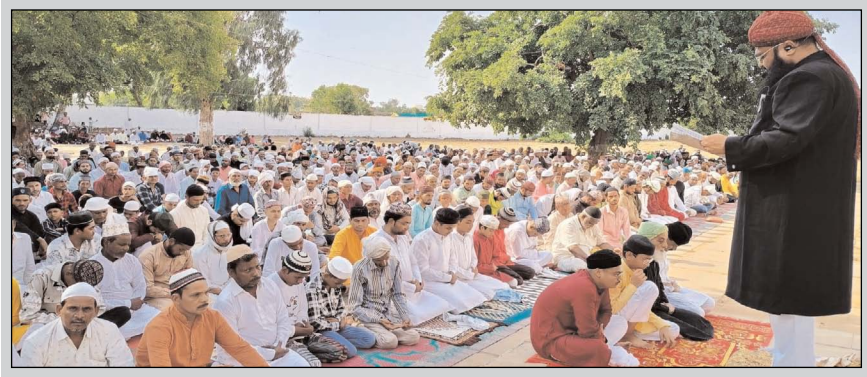

चमकता राजस्थान
धौलपुर (रामदास तरुण)। जिलेभर में हर्षो उल्लास के साथ ईद का त्यौहार मुस्लिम समाज ने मनाया। हजारों मुस्लिम भाइयो ने ईदगाह में शहर काज़ी मतीन खां गौरी के साथ ईद की नमाज अदा की। और नमाज के बाद मुल्क में अमन चेन और आपसी भाई चारे के लिए दुआएं मांगी गई। नमाज अदा करने के बाद मुस्लिम भाईयो ने अपने घर पहुंचकर कुर्बानी की रस्म अदा की। और एक दूसरे को गले लगा कर मुबारक बाद दी। धौलपुर जिले में साम्प्रदायिक सौहार्द की मिसाल दिखाई दे रही थी। धौलपुर विधायक शोभारानी कुशवाह के प्रतिनिधि, उपेन्द्र कुशवाह व गोरे लाल कुशवाह ने काजी को साफा पहनाकर मुबारक बाद दी। पुलिस प्रशासन की तरफ से सुरक्षा को लेकर जिले की सभी मस्जिदों, और ईदगाह के बाहर पुलिस जाब्ता भी तैनात किया गया था।

राम मंदिर में पंजाबी समाज ने किया प्रतिभा सम्मान समारोह

पंजाबी समाज के 32 प्रतिभावान बच्चों को किया सम्मानित, सम्मान पाकर बच्चों के खिल उठे चेहरे

चमकता राजस्थान
नदबई (राजवीर सिंह)। कस्बे के पंजाबी कॉलोनी स्थित श्री राम मंदिर प्रांगण में पंजाबी समाज द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की शुरुआत मां सरस्वती की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जीवनदास सहगल(भगत जी), जहांगीराम दुआ, किशोरीलाल सहगल, कश्मीर सहगल, वेद प्रकाश सहगल, चरणजीत बड़ेजा, भगवानदास भगत रहे। समारोह में समाज के 32 प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथियों ने कहा कि पंजाबी समाज द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह से बच्चों के मनोबल में वृद्धि होगी। सम्मानित होने से उन्हें और भी बेहतर करने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि पंजाबी समाज हमेशा समाज के हर व्यक्ति के लिए तत्पर रहता है। समारोह के माध्यम से बच्चों का मनोबल बढ़ाने का जो काम कर रहा है। उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। इस दौरान समाज की एकजुटता पर जोर दिया गयापंजाबी समाज द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में वर्ष 2024 में आरबीएसई और सीबीएसई कक्षा 10वीं और 12वीं में 80% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले, पिछले 5 वर्ष में खएए एडवांस और मेन्स, ठएएळ में सिलेक्टेड और वर्ष 2020 से 2024 तक सरकारी सेवा में चयन हुए पंजाबी समाज के बच्चों को सम्मानित किया गया।

यह हुए सम्मानित

समारोह में बबीता खंडूजा, टीना बड़ेजा, प्राची सहगल, निशि खंडूजा, हेमंत कपूर, वंश सहगल, ज्योति सहगल, आस्था मेहंदीरता, मोक्ष शर्मा, पुनीत मेहंदीरता, पिंकी सहगल, प्रिया खंडूजा, लीना दुआ, पंकज तनेजा, प्राची बड़ेजा, मिनाक्षी खंडूजा, ज्योति डंग, नमन खंडूजा, ओमकार दुआ, सौम्या मेहंदीरत्ता, मनन मेहंदीरत्ता, चिराग डंग, विवेक सहगल, लक्ष्य मेहंदीरत्ता, विदु सहगल, राहुल सहगल, हर्षित खंडूजा, शिवांन सहगल, यशस्वि सहगल, टीना सहगल, माधुरी सहगल को प्रशस्ति पत्र, शील्ड और बैग, माला और पटका पहनाकर स्वागत किया गया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर रमेश खंडूजा(पप्पू), सोनू सहगल, यशपाल सहगल, अशोक शर्मा मटरू, पिंटा अरोड़ा, सुरेंद्र मेहंदीरत्ता (होलू), मनोज बड़ेजा (बबुआ), नीरज अरोड़ा, हरिशंकर अरोड़ा, कुमरसेन सहगल, बृजमोहन अरोड़ा, गोपाल सहगल, पिंटू मेहंदीरत्ता, सुरेश सहगल, प्रीतम सहगल, तरुण तनेजा आदि मौजूद थे।

कट्स इंटरनेशनल ने शुरू की स्वच्छ जयपुर, हरित जयपुर अभियान

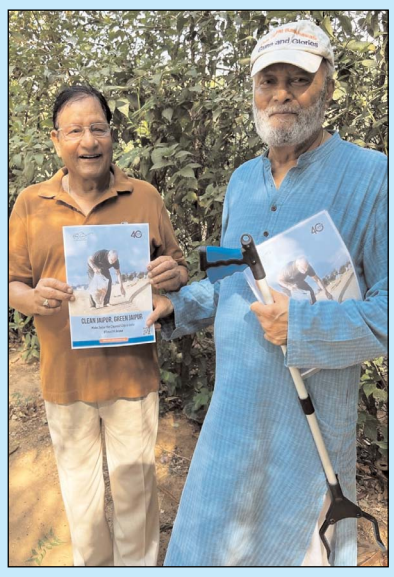

चमकता राजस्थान, जयपुर (खलील कुरैशी)। जयपुर के सेंट्रल पार्क में सुबह की सैर सुहावनी होती है ! लेकिन पार्क में कूड़ा-करकट की समस्या है। इस समस्या के समाधान के लिए कट्स इंटरनेशनल ने ''स्वच्छ जयपुर, हरित जयपुर'' अभियान शुरू किया। कट्स इंटरनेशनल के महासचिव प्रदीप मेहता और उनके सहयोगी शिवेंद्र शेखावत ने प्लॉगिंग प्रयासों की पहल की है, जो कि सैर के साथ कूड़ा-करकट इकट्ठा किया जाता है। पूर्व शहरी विकास मंत्री शांति धारीवाल ने इस पहल में शामिल होकर अभियान का पोस्टर जारी किया। ये पोस्टर पार्क के चारों ओर प्रदर्शित किए जा रहा है ! ताकि पार्क को स्वच्छ रखने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके। धारीवाल ने अपने कार्यकाल में सेंट्रल पार्क में कूड़ेदान, सिंप्रकलर इत्यादि लगवाकर पार्क को स्वच्छ और हरित बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हमारा लक्ष्य समुदाय को उनके पर्यावरण की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करना है शेखावत ने कहा। ''फिटनेस को पर्यावरण संरक्षण के साथ मिलाकर, हम सभी के लिए एक स्वच्छ, हरित जयपुर बनाने की आकांक्षा करते हैं।''कट्स इंटरनेशनल सभी नागरिकों को ''स्वच्छ जयपुर, हरित जयपुर'' अभियान में शामिल होने और सेंट्रल पार्क की सुंदरता बनाए रखने में मदद करने के लिए आमंत्रित करता है ! सन 1983 में स्थापित, कट्स इंटरनेशनल एक वैश्विक सार्वजनिक नीति शोध संस्था है ! जो उपभोक्ता संप्रभुता, आर्थिक समानता और सतत विकास पर केंद्रित है। संगठन अनुसंधान, पैरवी और जमीनी पहल के माध्यम से न्यायपूर्ण और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

समाजसेवी रामू चौधरी भीषण गर्मी में बेजुबान पशु पक्षियों की सेवा में रहते है अग्रणी

चमकता राजस्थान, धौलपुर (रामदास तरुण)। बाड़ी कस्बे में इच्छापूर्ति फाउंडेशन लगातार बंदर सेवा के लिए तत्पर तैयार रहता है। जिसके संस्थापक रामू चौधरी है। उनकी देखरेख में यह संस्था लम्बे समय से सेवा कार्य करती आ रही है। इसी क्रम में आज सोमवार को शहर की अनाज मंडी से बंदर सेवा हेतु आम, केला खरीदे गये। जिसको शहर से 25 किलोमीटर दूर जंगल मे जहाँ न तो पानी है न ही कोई खाने की व्यवस्था है। ऐसे स्थान पर बंदर को फल खिलाये गये साथ ही पानी की भी व्यवस्था की गई। जिससे इस गर्मी में कुछ राहत मिल सके। साथ ही इसी प्रकार की सेवा वन बिहार में भी की गयी। आज की सेवा के समय इच्छापूर्ति फाउंडेशन के रामू चौधरी सहित गौ सेवा संघ से नरेश शर्मा भी मौजूद रहे।

पूर्व सांसद रंजीता कोली की प्रेरणा से पहल, शर्बत की छबील का आयोजन

चमकता राजस्थान
भरतपुर (राजवीर सिंह)। पर्यावरण संरक्षण व जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर देशभर में काम कर रही संस्था स्टैंड विद नेचर द्वारा आज पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए बयाना में सोमवार एक विशेष आयोजन किया गया। स्टैंड विद नेचर की हरियाणा कोर्डिटर पर्यावरण कार्यकर्ता रत्न कौर जगरामबास के जन्मदिन के अवसर और निर्जला एकादशी के उपलक्ष में पूर्व लोकसभा सांसद रंजीता कोली की प्रेरणा से शर्बत की छबील लगाई गई। इस छबील में सिंगल यूज प्लास्टिक गिलासों का प्रयोग नहीं किया गया, जो पर्यावरण संरक्षण के प्रति एक महत्वपूर्ण कदम है। इस आयोजन में पूर्व लोकसभा सांसद रंजीता कोली ने स्टैंड विद नेचर के अभियानो की सराहना करते हुए मुख्य रूप से सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को समाप्त करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, सिंगल यूज प्लास्टिक हमारे पर्यावरण के लिए एक गंभीर खतरा है। हमें अपने दैनिक जीवन में इसके विकल्प तलाशने और अपनाने की आवश्यकता है। इस पहल के माध्यम से हम एक छोटे लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव की शुरुआत कर रहे हैं। मीठे पानी की छबील में पर्यावरण मित्र गिलासों का उपयोग किया गया, जो रिजयूजेबल और पर्यावरण के अनुकूल हैं। यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देती है, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने में भी सहायक है।कार्यक्रम में स्थानीय समुदाय के लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। इस अवसर पर स्टैंड विद नेचर के अनेक पर्यावरण कार्यकर्ताओ ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और इस पहल के लिए सांसद रंजीता कोली और स्थानीय समुदाय का आभार व्यक्त किया। लोकसभा सांसद रंजीता कोली की इस प्रेरणादायी पहल ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक संदेश दिया है। इस आयोजन से यह स्पष्ट हो गया है कि सामूहिक प्रयासों से हम पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभा सकते हैं और एक स्वच्छ और स्वस्थ भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

थाना महावीर नगर व एएचटीयू की कार्रवाई

चेन्नई में मिली नीट की तैयारी कर रही लापता कोचिंग छात्रा

चमकता राजस्थान
जयपुर/कोटा (खलील कुरैशी)। कोटा शहर में रहकर नीट की तैयारी कर रही 15 वर्षीय गुमशुदा नाबालिग छात्रा को थाना महावीर नगर व मानव तस्करी विरोधी यूनिट द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए चेन्नई के परियामेठ कस्बे से रेस्क्यू कर लिया है। करीब 1 सप्ताह पहले कोचिंग के लिए निकली नाबालिग संपर्क क्रांति ट्रेन से मुंबई होते हुए चेन्नई पहुंच गई थी। एसपी अमृता दुहन ने बताया कि 10 जून की सुबह 7:00 बजे शहर के एक हॉस्टल में रह रही 15 वर्षीय नाबालिग एलेन कोचिंग जाने के लिए निकली थी। वापस नहीं लौटने पर अगले दिन थाना

एक सप्ताह पहले कोचिंग के लिए निकली थी, ट्रेन में बैठ मुंबई होते हुए चेन्नई चली गई

महावीर नगर पर परिवादी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू की गई मामले की गंभीरता को देखते हुए नाबालिग की तलाश के लिए एसपी दुहन द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नियति शर्मा के निर्देशन एवं एसएचओ महेंद्र कुमार मारू व मानव तस्करी विरोधी यूनिट की प्रभारी शिमला देवी गुर्जर के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। विशेष टीम द्वारा परिवादी एवं बालिका के परिजनों से आवश्यक जानकारी प्राप्त कर तकनीकी पुलिसिंग एवं मुखबिरों से प्राप्त आसूचना के आधार पर बालिका की तलाश शुरू की। जांच में सामने आया की नाबालिग बालिका 10 जून की सुबह हॉस्टल से निकलकर इंस्टिट्यूट जाने की बजाय कोटा जंक्शन गई। वहां से संपर्क क्रांति ट्रेन से सूरत चली गई। इस सूचना पर विशेष टीम परिजनों को साथ लेकर सूरत पहुंची। जहां तलाश के दौरान मुंबई पहुंचने की जानकारी प्राप्त हुई। तलाश करती हुई टीम मुंबई पहुंची तो तकनीकी सहायता से पता चला कि 11 जून की रात में ही नाबालिग मुंबई से ट्रेन द्वारा चेन्नई की तरफ गई है विशेष टीम द्वारा 14 जून को चेन्नई स्थित परियामेठ कस्बे से बालिका को रेस्क्यू किया। वापस कोटा लाकर बालिका से लगातार काउंसलिंग की गई। जिसे बाल कल्याण समिति के संबंध पेश कर बालिका गृह में दाखिल करवाया गया। मामले में नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जा रही है। बच्ची को दस्तयाब कर परिजनों की खोई हुई मुस्कान लौटने का सराहनीय कार्य करने वाली टीम में थाना महावीर नगर से एसएचओ महेंद्र कुमार मारू व कांस्टेबल राम सिंह, एएचटीयू से प्रभारी शिमला देवी गुर्जर, हैड कांस्टेबल केशव सिंह एवं कांस्टेबल दिनेश शामिल थे। इसमें कांस्टेबल दिनेश की विशेष भूमिका रही है।

रायबरेली या वायनाड

धर्म संकट में राहुल गांधी - किसे रखा जाय किसे छोड़ा जाय

वायनाड से राहुल गांधी का दिल का रिश्ता तो रायबरेली से पारिवारिक रिश्ता

नयी दिल्ली/एजेंसी।

2024 लोकसभा चुनावों के नतीजों ने जैसे कांग्रेस में एक नई जान फूंक दी।पार्टी ना सिर्फ अपने दम पर 100 सीटें लेकर आई बल्कि संगठन के हौसले भी सातवें आसमान पर हैं। लेकिन इस चुनाव में राहुल गांधी का कद पहले से और ज्यादा बढ़ा है।वह रायबरेली और वायनाड दोनों सीटों से जीते हैं। अब उनके सामने इस बात का धर्मसंकट है कि कौन सी सीट रखी जाए और कौन सी छोड़ी जाए। कयास लगाए जा रहे हैं कि वह रायबरेली सीट अपने पास रख सकते हैं।

वायनाड वो जगह है, जिसने गांधी परिवार की लाज 2019 के चुनाव में बचाई थी। अमेठी में जब राहुल को हार मिली, तब वह इसी सीट से जीतकर संसद पहुंचे थे। राहुल को मलयालम भी नहीं आती, जो इस क्षेत्र में बोली जाती है। लेकिन बावजूद इसके राहुल गांधी को यहां से बंपर जीत मिली। अगर कहा जाए कि यहां से राहुल गांधी का दिल जुड़ा हुआ है तो गलत नहीं होगा। लोगों से भी राहुल को भरपूर प्यार मिला। यहां के लोगों ने उस वक्त उनका साथ दिया, जब उनके लिए सबसे ज्यादा मुश्किल भरा वक्त था। यहां से उन्होंने अपना कद राष्ट्रीय राजनीति में और ज्यादा बढ़ाया। इसलिए यहां के लोगों से उनका एक इमोशनल कनेक्शन भी जुड़ा हुआ है।

रायबरेली से है पारिवारिक रिश्ता

» राहुल गांधी का रायबरेली से उतरने का मन नहीं था। लेकिन सहयोगी अखिलेश यादव के आग्रह और चुनावों के लंबे चरण में वायनाड में वोटिंग खत्म होने के बाद उनको रायबरेली के बारे में सोचने का वक्त मिल गया। रायबरेली से उनके दादा फिरोज, दादी इंदिरा और मां सोनिया गांधी भी सांसद रह चुके हैं। कांग्रेस के अंदरखाने की जानकारी रखने वाले कहते हैं कि राहुल गांधी अब भी वायनाड को ही अपना राजनीतिक घर मानते हैं लेकिन मजबूरियों और दबाव के कारण वह रायबरेली को चुन सकते हैं।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव इस्तीफा दें' विपक्ष ने की मांग, सोशल मीडिया पर भी हुआ ट्रेंड

नयी दिल्ली/एजेंसी। सियालदह जाने वाली कंचनजंगा एक्सप्रेस (13174) और न्यू जलपाईगुड़ी के पास एक मालगाड़ी के बीच टक्कर में यात्रियों और कर्मचारियों सहित 15 लोगों की मौत हो गई। वहीं 30 से भी अधिक घायल बताए जा रहे हैं। सुबह 9 बजे के आसपास यह घटना, संभवतः सिग्नल की अनदेखी के कारण हुई। इसी बीच, वंदे भारत और हाल ही में फिर से नियुक्त रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहे हैं। विपक्ष की ओर से भी रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के इस्तीफे की मांग तेज हो गई है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, 'ये दुर्घटनाएं दर्शाती हैं कि सरकार रेलवे की सुरक्षा पर ध्यान नहीं दे रही है। रेल मंत्री को नैतिक आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए।' केरल कांग्रेस ने एक्स पर कहा कि देश जानता है कि रील मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव न तो इस्तीफा देंगे और न ही जवाबदेही की मांग पर कोई प्रतिक्रिया देंगे। जबकि एनडीए गठबंधन के प्रमुख सहयोगी नीतीश कुमार ने एक बार दुर्घटना के कारण इस्तीफा दे दिया था, वैष्णव को उनके पिछले कार्यकाल के दौरान रिकॉर्ड संख्या में दुर्घटनाओं के लिए पुरस्कृत किया गया था। कंचनजंगा एक्सप्रेस ट्रेन हादसे पर आरजेडी नेता भाई वीरेंद्र कहते हैं, जिस देश की रेलवे का निजीकरण हो गया है, उस देश में हादसे तो होंगे ही। पहले कांग्रेस और यूपीए सरकार में हादसे होते थे तो मंत्री इस्तीफा दे देते थे। अब इतने बड़े हादसे होने पर कोई मंत्री इस्तीफा नहीं देता। हमें इस सरकार से कोई उम्मीद नहीं है ये सरकार एक गिरोह की है जो इन चीजों के लिए जिम्मेदार है।

वायकर की चुनावी जीत संदेह के घेरे में, उन्हें शपथ लेने से रोका जाना चाहिए : संजय राउत

महाराष्ट्र/एजेंसी

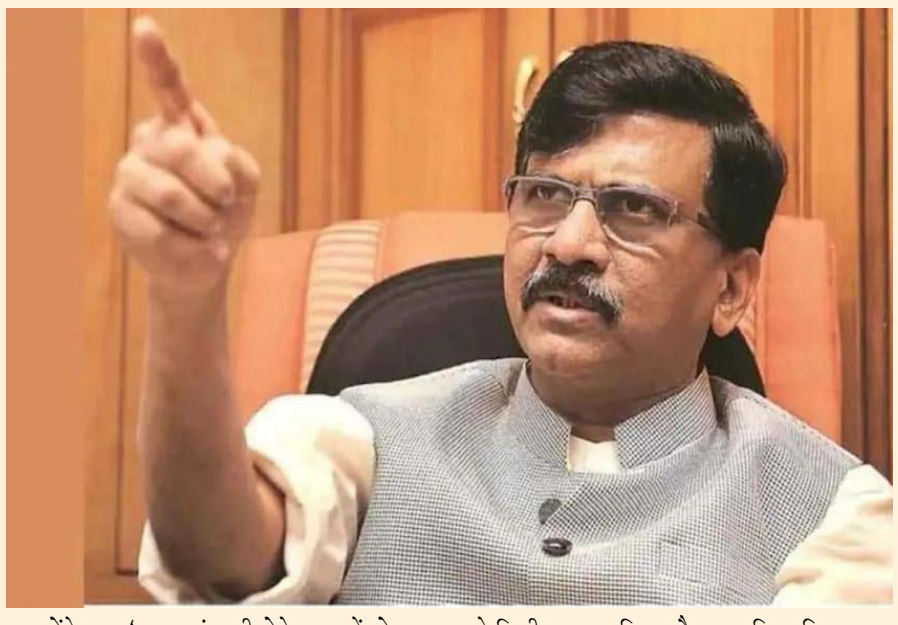

मुंबई के उत्तर पश्चिम लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से रवीन्द्र वायकर के 48 मतों के अंतर से जीत के बाद खड़े हुए विवाद के बीच, सोमवार को शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि वायकर को लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने से रोका जाना चाहिए। मुंबई में वनराई पुलिस ने वायकर के एक रिश्तेदार के खिलाफ गोरेगांव में एक मतगणना केंद्र पर 4 जून को परिणाम घोषित होने वाले दिन कथित रूप से मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने का मामला दर्ज किया है। राउत ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'वायकर की चुनावी जीत संदेह के घेरे में है और मुंबई के वनराई पुलिस थाने में पहले ही शिकायत दर्ज करा दी गई है। चुनाव परिणाम को लेकर जारी विवाद के कारण वायकर को लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने से रोका जाना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'अगर जांच पूरी होने तक उन्हें लोकसभा सदस्य के रूप में निर्वाचित होने से रोक दिया जाए तो यही सच्चा लोकतंत्र होगा।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के उम्मीदवार वायकर ने 4 जून को उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) के अमोल कीर्तिकर को 48 मतों के अंतर से हरा दिया था। राउत ने किसी का नाम लिए बगैर दावा किया कि वायकर के एक रिश्तेदार मतगणना वाले दिन से पहले कई बार वनराई पुलिस थाने में गए थे। उन्होंने जानना चाहा कि इसके पीछे क्या कारण था। राज्यसभा सदस्य ने कहा, 'वह वहां क्यों गए थे? क्या वह कोई सौदा करवाने की कोशिश कर रहे थे? इस बारे में खुलासा किया जाना चाहिए, नहीं तो मैं ही उनका पर्दाफाश कर दूंगा।

भाजपा ने चार राज्यों में की चुनाव प्रभारियों की नियुक्ति

- शिवराज सिंह चौहान को झारखंड की जिम्मेदारी
- हेमंत बिस्वा सरमा होंगे झारखंड के सह- प्रभारी

नयी दिल्ली/एजेंसी। लोकसभा चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी अब विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुट गई है। इसी साल के आखिरी में कई राज्यों में विधानसभा चुनाव है। इससे पहले भाजपा ने महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड और जम्मू-कश्मीर के लिए प्रदेश चुनाव प्रभारी और सह-प्रभारियों की नियुक्ति की है।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को महाराष्ट्र का प्रभारी और अश्विनी वैष्णव को सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान हरियाणा के प्रभारी होंगे। बिप्लब कुमार देब को सह-प्रभारी बनाया गया है।

झारखंड विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के कंधों पर होगी। उन्हें यहां का प्रभारी बनाया गया है। हेमंत बिस्वा सरमा सह-प्रभारी होंगे। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी को जम्मू-कश्मीर का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

उपचुनाव का बजा बिगुल

भाजपा और कांग्रेस ने किया प्रत्याशियों का एलान

10 जुलाई को मतदान जबकि गिनती 13 जुलाई को

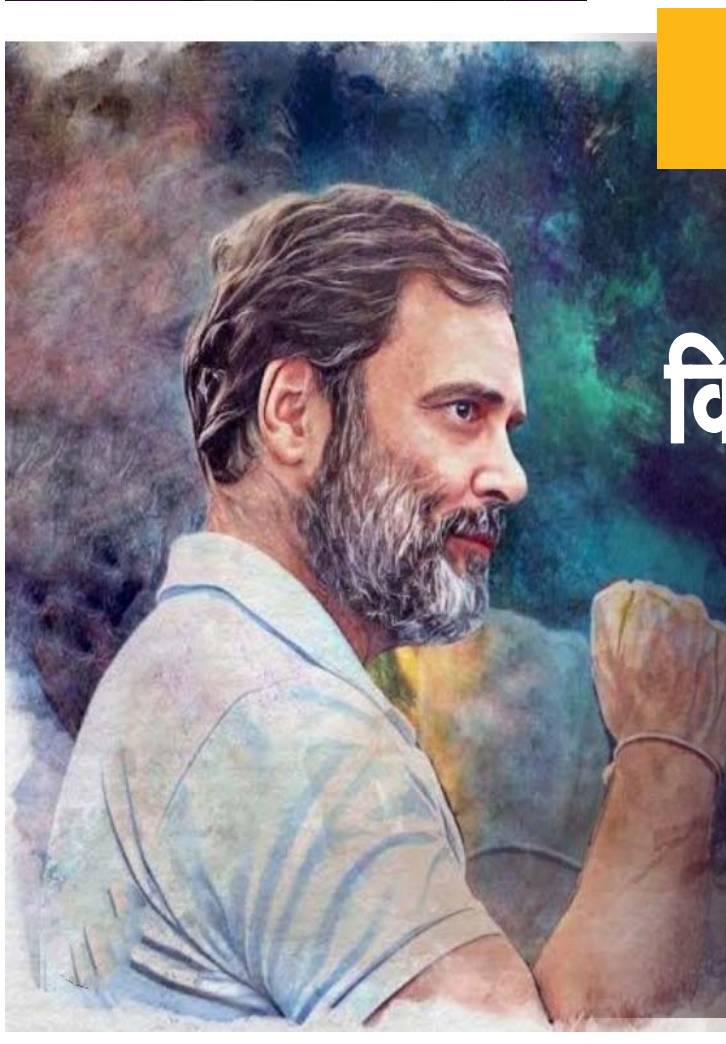

नयी दिल्ली/एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी ने पंजाब और पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा उपचुनाव में अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। पंजाब की जालंधर पश्चिम विधानसभा सीट पर भाजपा ने शीलत अंगुराल को उतारा है। पश्चिम बंगाल की रायगंज सीट पर मानस कुमार घोष, राणाघाट दक्षिण पर मनोज कुमार बिस्वास, बगदा सीट पर बिनय कुमार बिस्वास और मानिकताला सीट पर कल्याण चौबे को उतारा है।

कांग्रेस ने इन चेहरों पर जताया भरोसा

सोमवार को कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की चार विधानसभा सीटों पर प्रत्याशियों का एलान किया।पार्टी ने हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर और नालागढ़ निर्वाचन क्षेत्रों से डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा और हरदीप सिंह बावा को टिकट दिया है। उत्तराखंड के बद्रीनाथ और मंगलौर निर्वाचन क्षेत्रों से लखपत बुटोला और काजी निजामुद्दीन को उम्मीदवार बनाया है।

10 जुलाई को वोटिंग

इन विधानसभा सीटों पर 10 जुलाई को मतदान होना है। शुक्रवार को उपचुनाव की अधिसूचना जारी हुई थी। इसी के साथ नामांकन प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 जून है। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 26 जून है। मतों की गिनती 13 जुलाई को होगी।

ऋतिक रोशन की चचेरी बहन पश्मीना रोशन ने मारी बॉलीवुड एंट्री

मुंबई।

पश्मीना रोशन, रोशन परिवार की पहली सदस्य हैं जिन्होंने अपने चचेरे भाई ऋतिक की 'कहो ना प्यार है' में शानदार शुरुआत के बाद बॉलीवुड में कदम रखा है, वह अपने परिवार की शानदार विरासत का सम्मान करते हुए अपना रास्ता खुद बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। संगीतकार राजेश रोशन की बेटी और ऋतिक की चचेरी बहन, पश्मीना अपनी पहली फिल्म 'इश्क विश्क रिबाउंड' की तैयारी करते हुए अपेक्षाओं के भार को स्वीकार करती हैं। पश्मीना कहती हैं, 'मैं महान कलाकारों के परिवार से आती हूँ। दर्शक मेरे पिता, मेरे चाचा और मेरे चचेरे भाई द्वारा किए गए हर काम को संजोते हैं। उनकी कला अमर है और मुझे उम्मीद है कि एक दिन मैं भी उनके जैसा कर पाऊँगी। मैं इसे दबाव के रूप में नहीं बल्कि एक सपने के रूप में देखती हूँ।' पश्मीना के लिए, अपने करियर को आकार देने का मतलब है व्यक्तिगत आकांक्षाओं को पारिवारिक विरासत के साथ मिलाना। 'ऋतिक अपने मूल्यों के लिए खड़े हैं और पारिवारिक विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि मैं भी ऐसा कर पाऊंगी। मैं ऐसा काम करना चाहती हूं जिस पर मुझे गर्व हो। मैं नर्वस हूं। हालांकि, यह नर्वसनेस खुशी से भरी हुई है' , उन्होंने कहा।संक्षेप में, पश्मीना रोशन अपने परिवार की सिनेमाई विरासत का सम्मान करते हुए खुद को स्थापित करने की आशा रखती हैं, तथा अपनी योग्यता के आधार पर बॉलीवुड में अपनी छाप छोड़ना चाहती हैं।

बॉर्डर 2' से पहले 'सूर्या' की शूटिंग शुरू करेंगे सनी देओल

मुंबई।

2023 में 'गदर 2' की भारी सफलता के बाद सनी देओल अपनी रोमांचक आगामी फिल्मों के लिए सुर्खियों में बने हुए हैं। अब, एक हालिया रिपोर्ट से पता चला है कि 66 वर्षीय अभिनेता 'सूर्या' के लिए फिर से फिल्मांकन शुरू करने के लिए तैयार हैं। यह एक क्राइम ड्रामा है, जिसका निर्माण 2022 में शुरू हुआ था। कथित तौर पर 'लाहौर 1947' के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के बाद सनी देओल 'सूर्या' की शूटिंग फिर से शुरू करने के लिए तैयार हैं। कमल मुकुट द्वारा निर्मित और एम पद्मकुमार द्वारा निर्देशित, यह फिल्म प्रशंसित मलयालम फिल्म 'जोसेफ' (2018) का हिंदी रूपांतरण है, जिसका निर्देशन भी पद्मकुमार ने किया था। मुकुट के बेटे दीपक मुकुट ने एक इंटरव्यू में बताया, 'हमने फिल्म का 80 प्रतिशत से अधिक काम पूरा कर लिया है। सनी जल्द ही शूटिंग पूरी करेंगे।' अन्य प्रतिबद्धताओं के कारण देओल की उपलब्धता के लिए दो साल के इंतजार के बावजूद, दीपक ने अभिनेता के व्यस्त कार्यक्रम के प्रति समझ और धैर्य व्यक्त किया। इसके अलावा, दीपक ने साझा किया कि मूल फिल्म 'जोसेफ' को देखने के बाद सनी देओल एक शर्त पर रीमेक में भाग लेने के लिए सहमत हुए कि फिल्म अपनी मूल गंभीरता बरकरार रखेगी।

एक बार फिर डीपफेक वीडियो का शिकार हुई आलिया भट्ट

मुंबई।

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट एक डीपफेक वीडियो में नजर आईं, जो पूरे इंटरनेट पर छाया हुआ है। इस एआई-जनरेटेड वीडियो के तेजी से इंटरनेट पर वायरल होने से फैंस काफी परेशान हैं। उनका कहना है कि अब कोई भी सुरक्षित नहीं रह गया है। इस क्लिप को अब तक 17 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है। जिस आइडी से ये वीडियो शेयर किया गया उसे बायो में लिखा है, एआई का उपयोग करके बनाए गए सभी वीडियो केवल एंटरटेनमेंट के उद्देश्य से बनाए गए है। डीपफेक वीडियो में आलिया भट्ट काले चिकनकारी कुर्ता पहने हुए दिखाई दे रही हैं।वह मेकअप करती और कैमरे के सामने पोज देती नजर आ रही है। हालांकि, डीपफेक क्लिप के वायरल होने के तुरंत बाद, आलिया भट्ट के फैंस ने एआई के यूज पर अपनी चिंता व्यक्त की. एक यूजर ने लिखा, 'एआई दिन-ब-दिन खतरनाक होता जा रहा है। जबकि दूसरे ने लिखा, उन लोगों के लिए बुरा लग रहा है, जो सोचते हैं कि यह रियल है। तीसरे यूजर ने लिखा, मुझे अब एआई से डर लगने लगा है।

समुंदर किनारे ईशा गुप्ता ने ढाया कहर, बिकिनी अवतार में फ्लॉन्ट की खूबसूरती

मुंबई।

बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा गुप्ता अपने अंदाज से हमेशा फैंस को दिल हारने पर मजबूर कर देती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस का एक वीडियो सामने आया जिसमें ब्लैक बिकनी में एक्ट्रेस समुद्र के किनारे नजर आईं। 16 जून यानी रविवार को ईशा गुप्ता ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी लगाई जिसमें एक वीडियो था। वीडियो में ब्लैक बिकनी में ईशा नजर आईं और समुद्र के किनारे अनोखे अंदाज में दिख रही हैं। वीडियो पर लोकेशन भी लिखी जिसके अनुसार, वो इस समय दुबई में एन्जॉय कर रही हैं. ईशा गुप्ता अपने ग्लैमरस अंदाज से हमेशा फैंस का दिल जीत लेती हैं। अगर इंस्टाग्राम पर आप उन्हें फॉलो करते हैं तो उनका अंदाज देखा ही होगा। एक्ट्रेस साड़ी जैसी ट्रेडिशनल ड्रेस भी पहनती हैं और बिकनी जैसी वेस्टर्न ड्रेस भी पहनती हैं। ईशा हर अवतार में खूबसूरत नजर आती हैं. ईशा ने काफी कम फिल्मों में काम किया है फिर भी सुर्खियों में रहती हैं इसकी वजह उनका ग्लैमरस अवतार है और उनका सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना है। 28 नवंबर 1985 को दिल्ली में जन्मीं ईशा गुप्ता ने साल 2007 में फेमिना मिस इंडिया का खिताब जीता था. ईशा ने कई सारे विज्ञापनों में भी काम किया है लेकिन फिल्मों में पहला मौका उन्हें भट्ट कैंप से मिला था। फिल्म जन्नत 2 (2012) से ईशा गुप्ता ने बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने 'राज 3', 'रुस्तम', 'कमांडो 2', 'टोटल धमाल', 'चक्रव्यूह', 'हमशक्ल', 'वन डे जस्टिस' जैसी फिल्में की हैं।

टीवी की टीआरपी काफी कम हो गई है : निया शर्मा

मुंबई।

टीवी शोज में ढेरों किरदारों से नाम कमा चुकीं निया शर्मा बीते चार साल से सिर्फ रियलिटी शोज कर रही हैं। जिसमें 'खतरों के खिलाड़ी' और 'झलक दिखलाजा सीजन 10' शामिल है।लेकिन सवाल ये उठता है कि आखिर एक्ट्रेस डेली सोप से इतने वक्त से दूर क्यों हैं। इस सवाल का जवाब निया शर्मा ने हाल ही में दिया। साथ ही इन शोज को ना करने की पीछे की वजह भी बताई।निया ने कहा- 'ये फैसला मैंने इसलिए लिया था क्योंकि ओवरऑल बीते चार सालों में टीवी की टीआरपी काफी कम हो गई है। ज्यादातर शोज 3 महीने में बंद हो रहे हैं। जिस तरह के मैंने पहले शोज किए वो लंबे वक्त तक चले।मुझे ऐसा कोई प्रोजेक्ट नहीं करना जो आए और जल्दी ऑफ एयर हो जाए, और लोगों को उसके बारे में कानों कान खबर ना हो। इसी वजह से मैंने इतने सालों तक वैसे एक्सपेरिमेंटल प्रोजेक्ट नहीं किए। कोई भी शोर नहीं था। यहां तक कि जो रोल्स मुझे ऑफर हुए मैं उनसे कनेक्ट नहीं हो पाई।जितने भी शोज मुझे ऑफ एयर हुए थे वो सब तीन महीने के अंदर ही ऑफ एयर हो गए।बाद में मुझे लगा कि अच्छा ही किया जो नहीं किया।'

संक्षिप्त समाचार

नीट पेपर लीक मामले में छात्रों ने किया पुतला दहन, परीक्षा रद्द करने की मांग

पटना। नीट परीक्षा में पेपर लीक को लेकर अलग-अलग राज्यों में लगातार छात्र प्रदर्शन कर रहे हैं। पटना के दिनकर गोलंबर पर छात्रों ने प्रदर्शन किया। केंद्र सरकार का पुतला दहन किया। इस दौरान छात्र नेता सौरभ कुमार ने कहा कि इसमें पूरी तरीके से केंद्र सरकार और राज्य सरकार की जवाबदेही है। लेकिन, उनकी ओर से कुछ नहीं किया जा रहा है। NTA ने जो ग्रेस मार्क्स दिया। वह कहीं से भी उचित नहीं था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह मार्क्स देने का कोई प्रावधान नहीं है। फिर NTA की ओर से उसे हटाया गया। पेपर लिक का सबूत आर्थिक अपराध इकाई पटना पुलिस के पास है। इससे यह साबित होता है कि एक दिन पहले ही अभ्यर्थियों के पास प्रश्न पत्र आ गए थे। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि शिक्षा मंत्री भी कुछ नहीं कर रहे हैं। वे लोग सिर्फ सरकार बनाने में लगे हुए है। आज सिर्फ पुतला दहन किया गया है। लेकिन आने वाले दिनों में अगर परीक्षा रद्द नहीं की जाती है तो अनिश्चितकालीन धरना देंगे। 24 लाख छात्रों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। पीएम मोदी को आगाह करना चाहते हैं कि तीसरी बार आपको प्रधानमंत्री की गद्दी जनता ने बिठाया है। युवाओं पर ध्यान दीजिए। अगर आप हमारे लिए कुछ नहीं कर सकते हैं तो यह भी कह दीजिए। दरअसल, EOU ने पेपर लीक मामले में 9 परीक्षार्थियों को नोटिस भेजा है। EOU ने सभी परीक्षार्थियों को पेरेंट्स के साथ पूछताछ के लिए ईओयू ऑफिस बुलाया है। NEET पेपर लीक में अभी तक पुलिस ने 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

नकली शैंपू बेचने वाले को लड़कियों ने पकड़ा, ब्रांडेड के नाम पर नकली की बिक्री करता था

पटना। बोरिंग रोड में शुक्रवार की देर शाम बीच सड़क पर हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। कुछ लड़कियों ने फेरी लगाकर नकली शैंपू बेचने वाले को पकड़ लिया। बीच सड़क पर ही क्लास लगा दी। लड़कियों का आरोप है कि फेरी वाले ने ओरिजिनल शैंपू के नाम पर नकली शैंपू उन्हें दे दिया। इससे उनके सिर के बाल झड़ने शुरू हो गए हैं। अनुप्रिया ने बताया कि 20-22 दिन पहले एक फेरी वाले ने बोरिंग रोड में ओरिजिनल शैंपू का सेल लगाकर आधे से भी कम दाम में बेच रहा था। 500 रुपए में ही हमलोगों ने खरीदा था। लेकिन इस्तेमाल करने के बाद बाल झड़ने लगें। उसके बाद हमलोगों ने नेट पर सर्च कर के देखा तो पाया कि शैंपू नकली है। इसके बाद से शैंपू वाले को खोज रहे थे। शुक्रवार की शाम बोरिंग रोड में दिख गया तो बीच सड़क पर ही पकड़ लिया। पहले प्रोडक्ट के रुपए वापस करने के लिए कहा। लेकिन, वो तैयार नहीं हुआ। बहाने करने लगा। आरोपी ने कबूल किया कि नकली शैंपू था। इसके बाद वहां भीड़ जमा हो गई। डायल 112 को कॉल किया। डायल 112 की टीम उसे श्री कृष्णपुरी थाने पर लेकर आई। लिखित शिकायत की गई है। प्रोडक्ट बेचने वाला आरोपी यूपी के हाथरस का रहने वाला है। श्रीकृष्णापुरी के थानेदार पंकज कुमार ने बताया कि आगरा के रहने वाले एक व्यक्ति को पकड़ा गया है। उसके पास से कुछ पुराने डिब्बे में प्रोडक्ट्स भी बरामद हुए हैं। लड़की की लिखित शिकायत मिली है। पुलिस छानबीन कर रही है। लड़की का आरोप है कि ओरिजिनल के नाम पर डुप्लीकेट शैंपू आधे दाम में दिया गया था।

पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी की दूसरी मेधा सूची कल जारी होगी, 24 जून तक होगा नामांकन

पटना। पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी के पटना और नालंदा जिला के कॉलेजों में दूसरी मेधा सूची 16 जून को जारी की जाएगी। इस सूची से नामांकन की अंतिम तिथि 24 जून होगी और नामांकित छात्रों का वैलिडेशन 25 जून को होगा। वहीं, तीसरी मेधा सूची का प्रकाशन 26 जून को होगा, जिससे नामांकन की अंतिम तिथि 1 जुलाई होगी। 2 जुलाई को तीसरी मेधा सूची से नामांकित छात्रों का वैलीडेशन होगा। कॉलेजों में 4 जुलाई से क्लास शुरू होगी। पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी की जारी पहली मेधा सूची से 40 हजार विद्यार्थियों ने नामांकन कराया। अब तक हुए नामांकन का कॉलेजों की ओर से आज वैलीडेशन किया जाएगा। कुलपति प्रो. आरके सिंह ने बताया कि राजधानी के प्रमुख कॉलेजों में पहली मेधा सूची से ही करीब 60 प्रतिशत सीट फुल हो गए है। इसमें एएन कॉलेज, कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्टस एंड साइंस, जेडी वीमेंस कॉलेज, टीपीएस कॉलेज में नामांकन के लिए करीब 60 प्रतिशत सीटें भर गई है। इसके अतिरिक्त बीडी कॉलेज, आरकेडी महाविद्यालय, श्रीअरविंद महिला कॉलेज, जीजीएस कॉलेज पटना सिटी, बीएस कॉलेज दानापुर, महिला कॉलेज खगौल में भी 40 प्रतिशत से अधिक सीटें भर गई है। डीएसडब्ल्यू प्रो. एके नाग ने बताया कि मनचाहा च्वाइस मिलने के बाद यदि छात्र नामांकन नहीं लेते है तो उन्हें अगले राउंड से हटा दिया जाएगा। नामांकन नहीं लेने की स्थिति में संबंधित छात्र को स्वतः स्लाइडअप की सुविधा देते हुए उन्हें अगले राउंड में शामिल किया जाएगा। जो नामांकन ले चुके है, उन्हें अगले राउंड में मौका नहीं मिलेगा।

महिला की पीट-पीटकर हत्या

पटना (एजेंसी)। मुंगेर में शनिवार कि रात बच्चों की लड़ाई में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में एक महिला की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। जबकि पांच अन्य लोग बुरी तरह से घायल हो गए हैं। सभी घायलों का इलाज सदर अस्पताल में किया जा रहा है। घटना बासुदेवपुर थानाक्षेत्र के शेरपुर की है। मृतक महिला कि पहचान शेरपुर मोहल्ला निवासी बंटी सिंह कि 34 वर्षीया पत्नी पिंकी देवी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि शनिवार की देर शाम बंटी सिंह का 15 वर्षीय पुत्र गौरव कुमार और संजीत यादव का 12 वर्षीय पुत्र टिंकू यादव के बीच रोड से साइकिल हटाने को लेकर विवाद हुआ था। शाम होते-होते विवाद बढ़ गया और दोनों के बीच मारपीट हो गई। जिसके बाद टिंकू यादव ने अपने घर जाकर घटना कि जानकारी अपने परिजनों को दी। इसपर संजीत यादव, उसका भाई सुनील यादव, रंजीत यादव सहित उसके परिवार के 7-8 लोग गुस्से से आग बबुला होकर लाठी, डंडा, ईट के साथ बंटी यादव के घर पर चढ़ाई कर दी। जिसके बाद दोनों पक्षों में जम कर मारपीट हुई। मारपीट में बंटी सिंह कि पत्नी पिंकी देवी के सिर पर डंडा लगने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। जबकि एक ही तरफ के प्रीतम कुमार, बचनदेव सिंह, पुत्री सपना कुमारी, मृतका की गोतनी राधा देवी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची बासुदेवपुर और कोतवाली थाना की पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

पुलिस ने एकसाथ 8 बदमाशों को दबोचा

पटना (एजेंसी) : शिवहर जिला पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर 8 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। सभी बदमाश किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए इकट्ठा हुए थे लेकिन पुलिस ने ऐन वक्त पर उनके मनसूबों पर पानी फेर दिया। दरअसल, एसपी अनंत कुमार राय की इस बड़ी कार्रवाई से हड़कंप मच गया है। जिला पुलिस कप्तान अनंत कुमार राय ने बताया है कि तरियानी छपरा थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिला कि तरियानी थाना क्षेत्र के मामा चौक पर कुछ लोग बड़ी आपराधिक घटना करने की योजना बना रही है। एसपी के पुलिस ने टीम का गठन कर छापेमारी अभियान चलाया गया। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार 8 बदमाशों के पास से पुलिस ने दो देसी पिस्टल, दो गोली, स्मेक, चाकू समेत अन्य सामानों को बरामद किया गया है। उन्होंने बताया है कि लोकसभा चुनाव के बाद अबतक की सबसे बड़ी कार्रवाई की गई है। जिला में शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर जिला पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है।

एक्सिस बैंक से 10 मिनट में 17 लाख रुपए की लूट

पटना में 4 हथियारबंद अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया, ग्राहकों से भी छीने 1.86 लाख

एजेंसी, पटना।

पटना के बिहटा में एक्सिस बैंक की शाखा से 17 लाख की लूट हुई है। इस दौरान ग्राहक गणेश चौधरी से 41 हजार और एक माइक्रो फाइनेंस कर्मी से करीब 1 लाख 45 हजार लूट लिए। इस तरह कुल 18 लाख 82 हजार की लूट हुई है। चार नकाबपोश हथियारबंद अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया है। मामले की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। सुबह 11.41 बजे अपराधी बैंक में घुसे थे और सिर्फ 10 मिनट में लूट की बड़ी घटना को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। बिहटा-मनेर मुख्य मार्ग पर बिहटा थाने से तीन

किलीमीटर दूरी पर देवकुली गांव स्थित एक्सिस बैंक में लूट हुई है। हथियार के बल पर बैंक के तिजोरी से 17 लाख, ग्राहक से 41 हजार और फाइनेंस कर्मी से 1 लाख 45 हजार लूट लिए। जानकारी के मुताबिक दो अपराधी पहले बैंक के अंदर घुसे थे। इसके बाद तीसरा आया। चौथा बाहर ही खड़ा था। अपराधी फोन पर लगातार किसी से बात कर रहे थे। घटना के बाद सभी बाइक से मनेर की ओर भाग निकले। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। इस दौरान पैसा जमा कराने के लिए बैंक पहुंचे ग्राहक गणेश चौधरी से भी 41 हजार रुपए लूट लिए।

पैसा दे दो नहीं तो गोली मार देंगे- ग्राहक गणेश चौधरी: गणेश चौधरी ने कहा कि बैंक पैसा जमा कराने के लिए आया था। इस बीच कुछ अपराधी बैंक में घुसे। सबके हाथ में हथियार था, मेरे कनपटी पर भी गन सटा था। मुझसे कहा कि पैसा दे दो नहीं तो गोली मार देंगे। जिसके बाद मैंने पैसा दे दिया। मेरे पास 41 हजार रुपए था। सिटी एसपी पश्चिमी अभिनव धीमान ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि करीब 11.42 के आसपास 4 लोग बैंक में घुसे थे। बैंक मैनेजर और अंदर मौजूद सभी लोगों को बंधक बना लिया। कैशियर के पास से करीब 17 लाख रुपए लूट लिए। सीसीटीवी फुटेज खंगाल जा रहा है। ग्राहक से लूट की जांच की जा रही है।

अब नेत्रहीनों के लिए भी पटना ZOO में फैसिलिटी

एजेंसी, पटना।

ब्रेल साइनेज से मिलेगी मदद, जानवरों के पिंजरे के बाहर लगाया जा रहा

पटना जू में नेत्रहीन दर्शकों को जल्द ही सौगात मिलने वाली है। दरअसल, जानवरों के पिंजरे के सामने ब्रेल साइनेज लगाने का काम शुरू हो चूका है। अभी इसकी शुरुआत हुलॉक गिब्बन के पिंजरे के बाहर लगाने से शुरू की गई है। सभी वन्य जीव जंतुओं की पूरी जानकारी ब्रेल लिपि में दर्ज की जाएगी। इससे दृष्टिबाधित और नेत्रहीन व्यक्ति जानवरों की आराम से जानकारी ले सकेंगे और चिड़ियाघर का आनंद उठा सकेंगे।

15 दिनों के अंदर सभी पिंजरों के पास लग जाएगा ब्रेल साइनेजः पटना जू के रेंज ऑफिसर आनंद कुमार ने कहा कि 'ब्रेल लिपि में साइनेज अभी तक सिर्फ हुलॉक गिब्बन के पिंजरे के बाहर लगाया गया है। बाकि पिंजरों में लगाने के लिए ये साइनेज बनकर आ गए हैं, 15 दिनों के अंदर सभी जानवरों के पिंजरों के पास इसे लगा दिया जाएगा। ब्रेल साइनेज लगाने के लिए हमलोगों ने प्रयोग किया था और इसके लिए हमें काफी प्रोत्साहन मिली। उन्होंने आगे कहा कि जू में आने वाले दर्शकों में नेत्रहीन लोग भी रहते थे और उन्हें काफी समस्या होती थी। वह देख नहीं पाते थे, इस कारण उन्हें जानवरों की जानकारी नहीं मिल पाती थी। इसे देखते हुए ही जू में ब्रेल साइनेज लगाए गए हैं, ताकि नेत्रहीन लोगों को जू भ्रमण में और आनंद आए और साथ ही उन्हें जानवरों के बारे में प्रयाप्त जानकारी भी मिल सके। इस ब्रेल साइनेज के जरिए संबंधित वन्य प्राणी का सारा विवरण दिया गया है। उसका नाम, उसका साइंटिफिक नेम, जानवर का आकार, उसकी लंबाई और वजन, भोजन, भौगोलिक विस्तार, जीवनकाल, प्रजनन और संरक्षण के साथ उसके विशेष गुण के बारे में जानकारी दी गई है।

दिनकर गोलंबर पर छात्रों ने किया प्रदर्शन

एजेंसी, पटना।

रविन्द्र बालिका उच्च विद्यालय में लेट पहुंचने वाले परीक्षार्थियों को एंट्री नहीं मिली। इसके बाद छात्र उग्र हो गए। सेंटर से नजदीक के दिनकर गोलंबर को जाम कर दिया। सड़क पर आगजनी कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस वजह से यातायात भी घंटों तक प्रभावित रही। हालांकि, कदमकुंआ थाने की पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करते हुए परीक्षार्थियों को सड़क पर से हटा दिया है।

3 मिनट लेट की वजह से नहीं मिली एंट्रीः परीक्षार्थियों ने बताया कि सुबह 9:03 बजे सेंटर पर आए थे। लेकिन एंट्री नहीं मिली। सिर्फ 3 मिनट के चलते परीक्षा से वंचित किया जा रहा है। गेट नहीं खोला जा रहा है। एंट्री करने का प्रयास किया तो एडमिट कार्ड फाड़ने और मारने की धमकी दी जा रही है। जबकि सेशन भी लेट हुआ है।ये अन्याय है। पुलिस भी लाठी से

पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर सड़क पर से छात्रों को हटाया

मारकर खदेड़ दी है।

क्या बोले थानेदारः कदमकुआं थानेदार राजीव कुमार ने बताया कि छात्र मनमानी करना चाहते थे। लेट आए हैं। इसके बाद जबरन सेंटर में घुसना चाहते हैं, जो संभव नहीं है। पुलिसकर्मी पिंकी कुमारी ने बताया कि छात्र सेंटर पर लेट पहुंचे थे। उनका कहना था कि 10 मिनट लेट हुई है, आपलोग एंट्री कराइए। इसके बाद प्रदर्शन करने लगे।

NEET पेपर लीक- EOU ने 9 कैंडिडेट्स को नोटिस भेजा, पेरेंट्स से भी पूछताछ होगी

एजेंसी, पटना।

NEET पेपर लीक की जांच कर बिहार की आर्थिक अपराध इकाई (EOU) ने 9 परीक्षार्थियों को पूछताछ के लिए बुलाया है। EOU इनके पेरेंट्स से भी पूछताछ करेगी। जिन परीक्षार्थियों को नोटिस भेजा गया है वे बिहार के अलग-अलग जिलों से हैं। EOU के DIG मानवजीत सिंह ढिल्लों ने बताया कि पुलिस की अब तक छानबीन में सॉल्वर गैंग के पास 13 परीक्षार्थियों के रोल कोड मिले थे। इनमें से चार को पुलिस ने पेपर लीक का केस सामने आते ही गिरफ्तार कर लिया था। बाकी 9 परीक्षार्थियों के बारे में जानकारी के लिए EOU ने परीक्षा का संचालन करने वाली एजेंसी NTA से जानकारी मांगी थी। जानकारी मिलने के बाद अब उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा।

प्रवेश पत्र के पते पर भेजा गया नोटिसः DIG मानवजीत सिंह के मुताबिक NTA ने अपने जवाब में मांगे गए परीक्षार्थियों का प्रवेश पत्र भेजा था। इसके जरिए EOU को परीक्षार्थियों के मोबाइल नंबर और पते की जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि इसी पते पर नोटिस भेजकर परीक्षार्थियों को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

सॉल्वर गैंग के पास इनके रोल कोड मिले थे

परीक्षार्थियों और उनके अभिभावकों से सॉल्वर गिरोह से उनके जुड़ाव के बारे में सवाल किया जाएगा। यह भी पूछा जाएगा कि क्या इन 9 परीक्षार्थियों को भी सॉल्वर गिरोह ने परीक्षा से पहले प्रश्न पत्र रटवाए थे।

बिहार में पेपर लीक : बिहार के साथ पूरे देशभर में 5 मई को NEET की परीक्षा ली गई। इसमें पूरे देश से करीब 24 लाख से ज्यादा कैंडिडेट शामिल हुए। बिहार में NEET की परीक्षा में सॉल्वर गैंग के 13 लोग गिरफ्तार हुए। इनमें 4 मेडिकल स्टूडेंट थे। वहीं, पूर्णिया से भी 4 लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। ये दूसरों की जगह परीक्षा दे रहे थे। बायोमैट्रिक चेकिंग के दौरान इन्हें पकड़ा था। इसके साथ ही गोपालगंज पुलिस ने भी एक छात्र को गिरफ्तार किया था। ये भी दूसरे की जगह एग्जाम दे रहे थे। NEET पेपर में गड़बड़ी के आरोप में पटना के शास्त्रीनगर थाने में केस नंबर-358/24 दर्ज किया था। पूर्णिया से पकड़े गए डमी कैंडिडेट राजस्थान के जालौर, भोजपुर, बेगूसराय और सीतामढ़ी के थे। सभी परीक्षार्थियों को शहर के मधुबनी टीओपी थाना के एसआरडीएसी स्कूल के एग्जाम सेंटर से पकड़ा गया था। वहीं, गोपालगंज से पकड़ा गया छात्र राजस्थान का रहने वाला था। उसकी पहचान बाड़मेर जिले के कुडला गांव निवासी प्रह्लाल राम के बेटे सतीश कुमार के रूप में की गई थी।

पटना में 20 लाख रुपए का शराब बरामद, प्लाई गोदाम की आड़ में चल रहा था धंधा

एक तस्कर गिरफ्तार, हिसाब का रजिस्टर भी मिला

एजेंसी, पटना।

पटना के कदमकुआं थाना क्षेत्र में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। ठाकुर बाड़ी रोड स्थित प्लाई गोदाम से 20 लाख रुपए का शराब बरामद हुआ है। पुलिस को चकमा देने के लिए शराब ड्रम में छिपाकर रखी गई थी। ऊपर से लकड़ी का बुरादा भी डाल दिया था। मौके से एक तस्कर की गिरफ्तारी हुई है।

मौके से एक रजिस्टर भी मिलाः डीएसपी टाउन अशोक कुमार ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि शराब तस्करी की सूचना मिलने पर पुलिस ने छापेमारी की। प्लास्टिक

के ड्रम के अंदर से शराब की बोतल बरामद की गई है। रेड के दौरान एक रजिस्टर भी मिला है। जिसमें तस्करों का हिसाब लिखा हुआ है।

मामले की जांच की जा रही हैः गिरफ्तार तस्कर से पूछताछ की जा रही है। गोदाम को सील कर दिया गया है। कितने दिनों से कारोबार चल रहा था। इस धंधे में कौन-कौन शामिल है। कहां-कहां डिलीवरी की जाती थी। गोदाम किसके नाम पर ही। इसकी जांच की जा रही है।

विभाग संभालने के बाद पहली बार आज पटना पहुंचे गिरिराज, अधिकारियों के साथ की बैठक

एजेंसी, पटना।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह विभाग का पदभार ग्रहण करने के बाद शनिवार को पहली बार पटना पहुंचे। यहां अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। पटना पहुंचते ही गिरिराज सिंह ने गेस्ट हाउस में अधिकारियों के साथ बैठक शुरू कर दी । बैठक में केंद्रीय सचिव के साथ बिहार के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा भी मौजूद रहें।

8 लोगों को बनाया गया मंत्रीः गिरिराज सिंह ने बयान देते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी ने बिहार के विकास के लिए 8 लोगों को मंत्री बनाया है। बिहार की जनता ने जिन्हें व्हीलचेयर पर बिठा दिया, जिसे झुनझुना दिखा दिया। वो आज बोल रहे हैं। स्वास्थ्य कृषि के बाद सबसे ज्यादा बजट इस विभाग का है। इसमें अपार संभावनाएं हैं। अधिकारियों के साथ मिलकर संभावनाओं को तलाशेंगे और विकास का काम करेंगे। बुनकरों की जो भी समस्याएं हैं, उस पर मजबूती से काम किया जाएगा। उनके विकास के लिए जो भी हो किया जायेगा।

कांग्रेस पर भी निशाना साधाः कांग्रेस पर हमला

करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी तीन बार से बीजेपी को हराना चाहते हैं। लेकिन, जनता ने कांग्रेस को 99 भी पार नहीं करने दिया। जो खुद 99 सीट नहीं पार कर सकते वो दूसरों को क्या नसीहत देगा। बीजेपी को जितनी सीटें आई है। इतना पूरे गठबंधन को भी नहीं आया है। नीट परीक्षा में धांधली को लेकर गिरिराज सिंह ने कहा कि इस मामले में धर्मेंद्र प्रधान ने पूरे देश को बता दिया है।

बिहार में पर्यटन के क्षेत्र में निवेश करें, बिहार सरकार आपके साथ है : नीतीश मिश्रा

- नई दिल्ली में आयोजित हुआ इन्वेस्टमेंट मीट और बिहार पर्यटन रोड शो
- पर्यटन सचिव श्री अभय कुमार सिंह के नेतृत्व में बिहार पर्यटन के प्रतिनिधिमंडल ने बिहार के पर्यटन स्थलों, विभाग की नीतियों और कार्यक्रमों की विशेषताओं की जानकारी दी

नई दिल्ली। बिहार पर्यटन के क्षेत्र में निवेश और व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में इन्वेस्टमेंट मीट और रोड शो शुक्रवार को संपन्न हुआ। चाणक्यपुरी स्थित अशोका होटल में यह कार्यक्रम सुबह 10.30 बजे से आयोजित किया गया। इन्वेस्टमेंट मीट को संबोधित करते हुए बिहार में विरासत भी है और उनका विकास भी हो रहा है। बिहार में आप निःसंकोच निवेश के लिए आइए, सरकार आपके साथ खड़ी रहेगी। हम देश भर में रोड शो के साथ निवेश सत्र आयोजित कर रहे हैं, अगले माह कोलकाता में आयोजित किया जाएगा। हमारे यहां ताज, हयात और सरोवर ग्रुप ने निवेश किया है। आप भी आएं, आपके लिए

सीधी सब्सिडी सहित कई सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। मैं मिथिला से आता हूँ तो मिथिला का आतिथ्य भाव आपको मिलेगा, इसका भरोसा दिलाते हैं। बिहार पर्यटन सचिव श्री अभय कुमार सिंह ने कार्यक्रम में दिल्ली स्थित पर्यटन उद्योग से जुड़े व्यवसायी, ट्रैवेल एजेंट, टूर ऑपरेटर्स, होटेलियर्स आदि को संबोधित करते हुए उनसे बिहार पर्यटन विभाग द्वारा संचालित किए जा रहे योजनाओं, कार्यक्रमों और नीतियों की जानकारी साझा की। पर्यटन सचिव ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार में पर्यटन के क्षेत्र में सभी सर्किट्स में आधारभूत संरचनाओं के साथ पॉलिसी के स्तर पर काफी काम किया जा रहा है, जिसमें पर्यटन उद्योग में सब्सिडी से लेकर कई सुविधाएं दी जा रही है। इसके सकारात्मक परिणाम दिखाई दे रहे हैं, इसे और बेहतर किया जा रहा है। स्थानिक आयुक्त श्री कुंदन कुमार ने कहा कि बिहार सरकार की नई उद्योग नीति में निवेशकों के लिए काफी अवसर सृजित हुए हैं। इसके कारण औद्योगिक निवेश में काफी वृद्धि हुई है। बिहार बिजनेस कनेक्ट 2023 में 50 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के एमओयू हुए हैं, इसके कारण सामान्य औद्योगिक गतिविधियों से लेकर पर्यटन के क्षेत्र में निवेश हो रहे हैं। इससे परिदृश्य में बेहतरी आ रही है। उन्होंने आगे कहा कि वह स्थानिक आयुक्त के साथ निवेश आयुक्त भी हैं तो यदि किन्हीं को कोई भी परेशानी है तो वह किसी भी समय उनसे संपर्क कर सकते हैं। पर्यटन निगम के प्रबंध निदेशक नंद किशोर ने पर्यटन नीति की बारीकियों को सबके सामने रखा। उन्होंने कहा कि सभी राज्यों के टूर ओपरेटर्स या होटेलियर्स को केवल बिहार में एक दफ्तर खोलना होगा और जीएसटी लेनी होगी। इसके बाद वह भी होटल निर्माण, थीम रेस्तरां व पार्क, मेडिटेशन सेंटर, गोल्फ कोर्स, रूरल विलेज आदि बनाने के लिए 25 करोड़ रुपये तक के अनुदान का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए बिहार पर्यटन निदेशक श्री विनय कुमार राय ने कहा कि बिहार में 2023 में 8.21 करोड़ घरेलू और विदेशी पर्यटक बिहार पहुंचे हैं। हमें इस आंकड़े को और बेहतर करना है। कार्यक्रम में बिहार की नयी पर्यटन नीति, पर्यटकीय सुविधाओं के विकास की अद्यतन स्थिति को पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से बताया गया। इसके साथ ही सवाल-जवाब का सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें पर्यटन सचिव ने सभी हितधारकों के सवालों के जवाब दिए। धन्यवाद ज्ञापन पर्यटन निगम के जीएम श्री अभिजीत कुमार ने किया।

बिहार में समाहित है मिथिला का आतिथ्य भाव

भूटान में 570 मेगावाट का हरित जलविद्युत संयंत्र लगाएगा अडाणी समूह

नयी दिल्ली/एजेंसी।

अडाणी समूह भूटान में 570 मेगावाट का हरित जलविद्युत संयंत्र लगाएगा। समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने 16 जून को थिंपू में भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे से मुलाकात की है। इस मुलाकात के उन्होंने भूटान के चुखा प्रांत में 570 मेगावाट के ग्रीन हाइड्रो प्लांट के निर्माण के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

गौतम अडाणी ने एक्स पर जारी बयान में कहा है कि भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे के साथ मुलाकात बहुत ही रोमांचक रही। चुखा प्रांत में 570 मेगावाट के हरित जलविद्युत संयंत्र के लिए ड्रक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (डीजीपीसी) के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि भूटान के प्रधानमंत्री राजा के दृष्टिकोण को आगे बढ़ा रहे हैं और पूरे राज्य में व्यापक बुनियादी ढांचे की पहल कर रहे हैं।

अडाणी ने लिखा है कि भूटान में हाइड्रो और अन्य बुनियादी ढांचे पर मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं। कार्बन नेगेटिव नेशन के लिए इन पहलों और ग्रीन एनर्जी मैनेजमेंट पर सहयोग करने के लिए उत्साहित हूं। गौरतलब है कि पिछले महीने श्रीलंका की सरकार ने गौतम अडाणी की अगुवाई वाली रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी के साथ देश में विंड पॉवर स्टेशन डेवलप करने की मंजूरी दी थी।

जिंदल स्टेनलेस स्टील ने क्रोमेनी स्टील्स का किया पूर्ण अधिग्रहण

क्रोमेनी स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड अब जिंदल स्टेनलेस की इकाई

नयी दिल्ली/एजेंसी।

भारत की सबसे बड़ी स्टेनलेस स्टील निर्माता कंपनी जिंदल स्टेनलेस ने बेहतर समन्वय और परिचालन दक्षता सुनिश्चित करने के लिए एक रणनीतिक कदम के रूप में क्रोमेनी स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड (सीएसपीएल) में शेष 46 प्रतिशत हिस्सेदारी का भी अधिग्रहण कर लिया है। अब यह कंपनी पूरी तरह से जिंदल स्टेनलेस की इकाई हो गयी है।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इस कदम से सीएसपीएल जिंदल स्टेनलेस की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बन गई है।

इस अधिग्रहण में कुल 278 करोड़ रुपये का व्यय हुआ है, जिसमें इक्विटी हस्तांतरण और शेयरधारकों के ऋण का भुगतान शामिल है।

जिंदल स्टेनलेस ने पहले अप्रत्यक्ष अधिग्रहण सौदे के माध्यम से सीएसपीएल में 54 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की थी।

जिंदल स्टेनलेस के सीईओ तरुण कुमार खुल्बे ने कहा, 'क्रोमेनी में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण हमें मूल्य श्रृंखला में और आगे बढ़ने में मदद करेगा। चूंकि हम उम्मीद करते हैं कि यह संयंत्र जल्द ही चालू हो जाएगा, यह रणनीतिक कदम कंपनी को मजबूत घरेलू मांग को भुनाने में सक्षम करेगा, जो हर साल 7 से 9 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। यह अधिग्रहण भारतीय स्टेनलेस स्टील बाजार में विकास को गति देने और हमारा अग्रणी स्थान बनाए रखने की हमारी प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है।'

गुजरात के मुंद्रा में स्थित कोल्ड रोलिंग मिल वाली क्रोमेनी स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड जिंदल स्टेनलेस के उत्पाद मिश्रण में कोल्ड रोल्ड उत्पादों की क्षमता को बढ़ाएगी।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

नयी दिल्ली/एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी लौटने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.11 प्रतिशत बढ़कर 78.54 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82.73 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

बकरीद पर शेयर और मुद्रा बाजार बंद

मुंबई/एजेंसी। बकरीद के अवसर पर आज शेयर बाजार और अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में अवकाश रहा, जिसके कारण कोई कामकाज नहीं हो सका। देश के प्रमुख शेयर बाजारों बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के साथ ही अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार भी बंद रहा है। कारोबारियों का कहना है कि अब मंगलवार से सामान्य कामकाज होगा।

अमूल ने आइस्क्रीम से कनखजूरा मिलने की शिकायत के बाद जांच के लिए उत्पाद वापस मांगा

महिला ग्राहक से आइसक्रीम का टब वापस करने का अनुरोध

नयी दिल्ली/एजेंसी।

अब अमूल के आइसक्रीम में कनखजूरा निकलने का मामला सामने आया है। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद कंपनी ने नोएडा में रहने वाले उस महिला ग्राहक से आइसक्रीम का टब वापस करने का अनुरोध किया है, ताकि उसकी गहन जांच की जा सके। महिला ने दावा किया था कि उसे आइसक्रीम से कनखजूरा मिला है।

अमूल ने सोमवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा है कि वो इस मामले की पूरी जांच कराना चाहती हैं। नोएडा में महिला ग्राहक को हुई असुविधा पर खेद व्यक्त किया है। अमूल ब्रांड के तहत दुग्ध उत्पादों का विपणन करने वाले गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ (जीसीएमएमएफ) ने अपने स्तर से जांच शुरू कर दी है।

इसके साथ ही कंपनी ने कहा कि वह भारत और वैश्विक बाजारों में बेहतर गुणवत्ता वाले दुग्ध उत्पाद उपलब्ध कराने को प्रतिबद्ध है। इस बीच नोएडा के खाद्य सुरक्षा विभाग ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

गौरतलब है कि नोएडा में एक महिला ने दावा किया है कि उसने एक 'इंस्टेंट डिलीवरी एप' के जरिए आइसक्रीम मंगवाई थी, जिसके अंदर उसे एक कनखजूरा मिला है। दरअसल नोएडा निवासी दीपा देवी नाम की ग्राहक ने 15 जून को अपने बच्चों के लिए ब्लिंकिट से ऑनलाइन आइसक्रीम आर्डर की थी। उन्होंने अमूल कंपनी का वानिला मैजिक फ्लेवर आइस्क्रीम 195 रुपये की मंगवाई थी।

आर्डर आने के बाद जब उन्होंने उसे खोलकर देखा तो उसके अंदर कनखजूरा रेंगता हुआ दिखाई दिया।

दिल्ली थोक जिंस बाजार में जिंसों में टिकाव

विदेशी बाजार की गिरावट के दबाव के बीच उठाव कमजोर

नयी दिल्ली/एजेंसी।

विदेशी बाजार की गिरावट के दबाव के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया में बकरीद पर अवकाश के कारण बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में सोमवार को कारोबार स्थगित रहा। वहीं, जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.48 सेंट की गिरावट के साथ 43.20 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम आयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पड़े रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर पड़ी रही।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे :-

दाल-दलहन : चना 7350-7450, दाल चना 8350-8450, मसूर काली 7700-7800, मूंग दाल 10500-10600, उड़द दाल 12800-12900, अरहर दाल 11500-11600 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2600-2700 रुपये और चावल : 2800-2900 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : चीनी एस 3740-3840, चीनी एम. 4050-4150, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4350-4450 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

खाद्य तेल : सरसों तेल 13003 रुपये, मूंगफली तेल 19413 रुपये, सूरजमुखी तेल 12198 रुपये, सोया रिफाइंड 12234 रुपये, पाम ऑयल 8933 रुपये और वनस्पति तेल 11233 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

एयर इंडिया ने की यात्री के खाने में 'ब्लेड' का टुकड़ा मिलने की घटना की पुष्टि

नयी दिल्ली/एजेंसी।

टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया की अंतरराष्ट्रीय उड़ान में एक पैसेंजर के खाने में ब्लेड मिली। एयरलाइन ने सोमवार को एक यात्री को बेंगलुरु-सैन फ्रांसिस्को उड़ान के दौरान भोजन में कथित तौर पर ब्लेड जैसी धातु का टुकड़ा मिलने की पुष्टि घटना के एक हफ्ते के बाद की है। एयरलाइन ने यात्री के खाने में 'ब्लेड' जैसी धातु होने की पुष्टि करते हुए कहा कि यह वस्तु उसके खानपान साझेदार की सुविधाओं में इस्तेमाल की जाने वाली सब्जी प्रसंस्करण मशीन से आई थी। पैसेंजर ने खुद एक्स पोस्ट पर इस घटना के फोटो शेयर कर इसकी जानकारी दी थी। इस पोस्ट के बाद एयर इंडिया ने इसकी जांच के बाद बयान जारी कर पैसेंजर के खाने में ब्लेड मिलने की बात को स्वीकार किया और माफी मांगी है। उल्लेखनीय है कि एयर इंडिया एयरलाइन की लंबी दूरी की उड़ानों में परोसे गए भोजन से जुड़ी यह दूसरी घटना है।

आरबीआई को रिस्क मैनेजर ऑफ द ईयर का पुरस्कार मिला

नयी दिल्ली/एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक को ब्रिटेन के लंदन स्थित सेंट्रल बैंकिंग द्वारा रिस्क मैनेजर ऑफ द ईयर पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया है। आरबीआई ने आज यहां एक्स पर यह जानकारी देते हुये कहा कि उसको अपनी जोखिम संस्कृति और जागरूकता में सुधार के लिए सर्वश्रेष्ठ जोखिम प्रबंधक का पुरस्कार दिया गया है। आरबीआई के कार्यकारी निदेशक मनोरंजन मिश्रा ने उसकी ओर से पुरस्कार प्राप्त किया।

श्रीलंका ने नीदरलैंड को 83 रनों से हराया

ग्रॉस आइलेट/एजेंसी।

- कुसल मेंडिस (46), चरिथ असलंका (46) की शानदार पारियां
- नुवान तुषारा को तीन विकेट मिले

कुसल मेंडिस (46), चरिथ असलंका (46) की शानदार पारियों और उसके बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर श्रीलंका ने टी-20 विश्वकप के 38वें मैच में नीदरलैंड को 83 रनों से हराते हुए टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज की।

डैरेन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में नीदरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले ओवर की दूसरी गेंद पर पथुम निसंका (शून्य)का विकेट गवां दिया। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आये कामिडु मेंडिस (17) भी छठे ओवर में पवेलियन लौट गये। उसके बाद कुसल मेंडिस ने 29 गेंदों में (46), चरिथ असलंका ने 21 गेंदों में (46), धनंजय डी सिल्वा ने 26 गेंदों में (34) और एंजेलो मैथ्यूज नाबाद 15 गेंदों में (30) ने बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में टीम का स्कोर छह विकेट पर 201 पहुंचाया।

नीदरलैंड की ओर से लोगन वैन बीक ने दो विकेट लिये। विवियन किंगमा, आर्यन दत्त, पॉल वैन मीकरेन ओर टिम प्रिंगल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

202 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड की माइकल लेविट और मैक्स ओ'डाउड की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिये 45 रन जोड़े। मैक्स ओ'डाउड (11) और माइकल लेविट (31) रन बनाकर आउट हुये। श्रीलंकाई गेंदबाजों के आगे नीदरलैंड के बल्लेबाज टिक नहीं सके और उसके लगातार विकेट गिरते रहे। विक्रमजीत सिंह (7), साइब्रांड एंगेलब्रेक्ट (11), स्कॉट एडवर्ड (15), स्कॉट एडवर्ड्स (31) और आर्यन दत्त (10) रन बनाकर आउट हुये। छह बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। श्रीलंका के गेंदबाजों ने नीदरलैंड की पूरी टीम को 16.4 ओवर में 118 पर ढेर कर मुकाबला 83 रनों से जीत लिया। इस जीत के साथ ही श्रीलंका का टूर्नामेंट में अभियान समाप्त हो गया है।

श्रीलंका की ओर से नुवान तुषारा को तीन विकेट मिले। वनिंदु हसरंगा और और मथीशा पथिराना ने दो-दो विकेट लिये। महेश तीक्षणा, दासुन शनाका ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

साइब्रांड एंगेलब्रेक्ट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

ग्रोस आइलेट/एजेंसी। नीदरलैंड के मध्यक्रम के बल्लेबाज साइब्रांड एंगेलब्रेक्ट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 35 वर्षीय एंगेलब्रेक्ट ने रविवार को श्रीलंका से मिली हार के बाद टूर्नामेंट में अपनी टीम का अभियान समाप्त होने पर अपने संन्यास की घोषणा की है। साइब्रांड एंगेलब्रेक्ट का यह आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच था। उन्होंने इस मैच में शानदार क्षेत्ररक्षण करते हुए ब्राउंड्री का बचाव किये जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है इसे इंस्टाग्राम रील्स पर दस लाख से ज्यादा बार देखा गया।

दक्षिण अफ्रीका में जन्मे एंगेलब्रेक्ट ने वर्ष 2023 में नीदरलैंड की टीम में पदार्पण किया था। उन्होंने अपने करियर मे 12 एकदिवसीय और 12 टी-20 मैच खेले।

नेपाल को हराकर बंगलादेश पहुंचा सुपर आठ में

किंग्सटाउन/एजेंसी।

- तनजीम हसन साकिब सात रन देकर चार विकेट और मुस्तफिजुर रहमान की सात रन देकर तीन विकेट की घातक गेंदबाजी
- तनजीम को प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया
- टी-20 विश्वकप का 37वां मुकाबला

तनजीम हसन साकिब सात रन देकर चार विकेट और मुस्तफिजुर रहमान की सात रन देकर तीन विकेट की घातक गेंदबाजी की बदौलत बंगलादेश ने टी-20 विश्वकप के 37वें मुकाबले में नेपाल को 21 रनों से हराकर सुपर आठ के लिये क्वालीफाई किया।

किंग्सटाउन के अर्नोस वेल ग्राउंड में नेपाल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। नेपाल के गेंदबाजों ने कप्तान रोहित पॉडेल के फैसले को सही साबित करते हुए बंगलादेश की पूरी टीम को 19.3 ओवर में 106 के छोटे स्कोर पर समेट दिया। बंगलादेश के लिए शाकिब अल हसन ने सर्वाधिक 17 रन बनाये। महमुदउल्लाह (13), जाकेर अली (12), लिटन कुमार दास (10), रिशाद हुसैन (13) रन बनाकर आउट हुये। पांच बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। तस्किन अहमद 12 रन बनाकर नाबाद रहे।

नेपाल की ओर से सोमपाल कामी, दीपेंद्र सिंह ऐरी, रोहित पॉडेल और संदीप लामिछाने ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया।

इसके बाद बंगलादेश के गेंदबाजों ने 106 रनों के छोटे स्कोर का बचाव अपनी शानदार गेंदबाजी से किया। बल्लेबाजी करने उतरी नेपाल की शुरुआत अच्छी नहीं रही और तीसरे ओवर में तनजीम ने कुशल भुर्तेल (4) को बोल्ड कर बंगलादेश को पहली सफलता दिलाई।

इसी ओवर में तनजीम ने अनिल साह (शून्य) को आउट कर अपना दूसरा विकेट झटका। पांचवें ओवर में कप्तान रोहित पॉडेल (1) भी तनजीम का शिकार बने। आसिफ शेख (17) रन बनाकर आउट हुये। संदीप जोरा (1) को भी तनजीम ने आउट किया। एक समय 26 रन पर पांच विकेट गवां कर नेपाल की टीम संकट में आई गई थी ऐसे समय में कुशल मल्ला और दीपेंद्र सिंह ऐरी ने 52 रन की साझेदारी करते हुए नेपाल की मैच में वापसी कराई। लेकिन मुस्तफिजुर रहमान ने 17वें ओवर में मल्ला (27) का विकेट झटकर नेपाल के अरमानों पर पानी फेर दिया।

अमेरिकी पैराग्लाइडर का शव लाहौल-स्पीति से बरामद

केलांग/एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिले में ताशीगंग के पास एक खड्ड से पिछले तीन दिनों से लापता अमेरिकी नागरिक व पैराग्लाइडर ट्रेवर बोकस्टाहलर का शव रविवार को बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि अमेरिकी नागरिक बोकस्टाहलर (31) गुरुवार को स्पीति घाटी की अपनी यात्रा के दौरान लापता हो गए थे। इसके बाद एक खोज दल का गठन किया गया। टीम ने काजा के विभिन्न इलाकों में तलाशी की और ताशीगंग के पास एक सुनसान इलाके के पास ट्रेवर द्वारा किराए पर ली गई मोटरसाइकिल बरामद की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। एक दिन बाद सेना की डोगरा रेजिमेंट की सहायता से एक ड्रोन ने शुक्रवार को ताशीगंग के बीच एक गहरी खाई में फंसे एक पैराशूट की पहचान की। लाहौल-स्पीति के पुलिस अधीक्षक मयंक चौधरी ने कहा कि पुलिस को संदेह है कि पैराशूट ट्रेवर का था, जो बेस जंपर था। इसके बाद ऐसे बचाव कार्यों और प्रतिकूल परिस्थितियों में प्रशिक्षित भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीमों को तैनात किया गया और ट्रेवर के शव को खोज निकाला।

पावो नूरमी गेम्स 2024

नीरज चोपड़ा ओलंपिक की तैयारी फिर से शुरू करने के लिए तैयार

नयी दिल्ली/एजेंसी।

चोट से उबरने के लिए थोड़े समय के ब्रेक पर जाने के बाद ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा मंगलवार को यहां पावो नूरमी खेलों में कई बेहतरीन खिलाड़ियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धी मुकाबले में वापसी करेंगे।

26 वर्षीय सुपरस्टार, जो इस स्पर्धा में एकमात्र भारतीय हैं, का मुकाबला जर्मनी के किशोर खिलाड़ी मैक्स डेहिंग से होगा, जो प्रतिष्ठित 90 मीटर क्लब के सबसे युवा सदस्य हैं, जिसमें चोपड़ा प्रवेश करना चाहते हैं। 19 वर्षीय खिलाड़ी को चोपड़ा के लिए एक बड़ी चुनौती के रूप में देखा जा रहा है, जब वह पेरिस में टोक्यो खेलों में अपने स्वर्ण पदक का बचाव करेंगे।

स्थानीय पसंदीदा ओलिवर हेलैंडर, जिन्होंने 2022 के एक दिवसीय प्रतियोगिता में भारतीय को हराया था, भी वहां होंगे।

भारतीय ने 2022 में 89.30 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था, जो उस समय उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ था। चोपड़ा ने उसी वर्ष डायमंड लीग के स्टॉकहोम चरण में उस अंक को 89.94 मीटर तक सुधारा।

दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स और त्रिनिदाद और टोबैगो के 2012 ओलंपिक चैंपियन केशोर्न वालकॉट भी यहां मैदान में हैं।

चोपड़ा ने पिछले महीने ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक से एहतियात के तौर पर नाम वापस ले लिया था, क्योंकि उन्हें मेरे एडक्टर (जांघों के अंदरूनी हिस्से में स्थित मांसपेशियों का समूह) में कुछ तकलीफ महसूस हो रही थी।

उन्होंने मई में दोहा डायमंड लीग में अपना सीजन शुरू किया, जहां वे 88.36 मीटर के अपने अंतिम थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जो उनके करियर का नौवां सर्वश्रेष्ठ अंक था।

दोहा डायमंड लीग में चोपड़ा को हराने वाले जैकब वडलेजच यहां प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे।

चोपड़ा ने भुवनेश्वर में नेशनल फेडरेशन कप सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी भाग लिया, जहां उन्होंने 82.27 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया।

पावो नूरमी खेलों के बाद चोपड़ा अगली बार 7 जुलाई को पेरिस डायमंड लीग में एक्शन में नज़र आएंगे।

ओलंपिक से पहले व्यस्त कार्यक्रम से बचने के लिए उन्होंने 27 जून से पंचकूला में होने वाली राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय एथलेटिक्स से बाहर होने का विकल्प चुना है।

टी-20 विश्वकप में ग्रुप के आधार पर टीमों की स्थिति

किंग्सटाउन/एजेंसी। अमेरिका और वेस्टइंडीज के सह मेजबानी में खेले जा रहे टी-20 विश्वकप में रविवार के मैचों के बाद ग्रुप तालिका में टीमों की स्थिति इस प्रकार है:-

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	नेटरन रेट
ग्रुप ए					
भारत	4	3	0	7	1.137
अमेरिका	4	2	1	5	0.127
कनाडा	4	1	2	3	-0.493
पाकिस्तान	4	2	2	4	0.294
आयरलैंड	4	0	3	1	-1.293
ग्रुप बी					
ऑस्ट्रेलिया	4	4	0	8	2.791
इंग्लैंड	4	2	1	5	3.611
स्कॉटलैंड	4	2	1	5	1.255
नामीबिया	4	1	3	2	-2.585
ओमान	4	0	4	0	-3.062
ग्रुप सी					
अफगानिस्तान	3	3	0	6	4.230
वेस्टइंडीज	3	3	0	6	2.596
न्यूजीलैंड	3	1	2	2	-0.241
युगांडा	4	1	3	2	-4.510
पापुआ न्यू गिनी	3	0	3	0	-0.886
ग्रुप डी					
दक्षिण अफ्रीका	4	4	0	8	0.470
बंगलादेश	4	3	1	6	0.616
श्रीलंका	4	1	2	3	0.863
नीदरलैंड	4	1	3	2	-1.358
नेपाल	4	0	3	1	-0.542

विश्वकप में एक टीम के तौर पर अच्छा नहीं खेले : बाबर

कहा, टीम में हर किसी की अपनी एक भूमिका होती है

लॉडरहिल/एजेंसी।

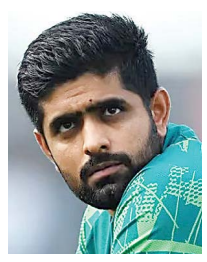

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि टीम में हर किसी का अपनी एक भूमिका होती है और हम टी-20 विश्वकप में एक टीम के तौर पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। टी-20 विश्वकप में टीम के प्रदर्शन के बारे में उन्होंने कहा, 'मैंने आपको जैसा कि पहले भी कहा कि हम एक व्यक्ति की वजह से नहीं हारे हैं, हम एक टीम के तौर पर जीतते या हारते हैं। आप कप्तान होने के संदर्भ में मेरे से यह सवाल कर रहे हैं लेकिन मैं हर खिलाड़ी की जगह नहीं खेल सकता। टीम में 11 खिलाड़ी होते हैं और हर किसी का अपना रोल होता है। हम यह स्वीकारते हैं कि हम एक टीम के तौर पर अच्छा नहीं खेले।' उन्होंने कहा, 'जिस तरह की टीम हमारे पास थी उससे बेहतर परिणाम की अपेक्षा थी। एक कप्तान के तौर पर मैं किसी एक खिलाड़ी के ऊपर उंगली नहीं उठा सकता। कमी सभी 15 खिलाड़ियों में थी। हम समीक्षा करेंगे। एक कप्तान के तौर पर मेरा दायित्व यह है कि मैं निर्णय लेने वाले लोगों को अपना फीडबैक दूं।' उन्होंने कहा, 'आप किसी एक व्यक्ति पर दोष नहीं मढ़ सकते। हम एक टीम के तौर पर अच्छा नहीं खेले। हर कोई हताश है। हम भी प्रशंसकों जितना ही हताश हैं। यह किसी एक की गलती नहीं है।' उन्होंने कहा, 'जब मैंने कप्तानी छोड़ी थी, तब मुझे यही लगा था कि मुझे आगे कप्तानी नहीं करनी चाहिए और इसीलिए मैंने स्वयं ही कप्तानी छोड़ने की घोषणा कर दी थी। इसके बाद मुझे वापस कप्तानी दे दी गई और यह पीसीबी का फैसला था। जब मैं वापस जाऊंगा तब जो भी चीजें यहां घटित हुई हैं उनके ऊपर बोर्ड के साथ चर्चा करूंगा और अगर मुझे कप्तानी छोड़नी पड़ी तो मैं सार्वजनिक तौर पर इसकी घोषणा करूंगा। लेकिन अभी के लिए मैंने इस बारे में नहीं सोचा है। इस पर फैसला पीसीबी को करना है।'

रंगीन दुनिया में हर रंग कुछ बोलता है। बिना रंगों के तो आप अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। हर रंग का कुछ अर्थ है, जिसे प्रायः हम नहीं जानते। आपको अपने भाव प्रकट करने हों या किसी को कुछ उपहार में देना हो, इसका चुनाव आप रंगों के माध्यम से ही करते हैं। अगर बात फैशन की हो तो कलर की च्वाइस करना और भी जरूरी हो जाता है।

इन्हें चाहिए ब्लैक

बॉलीवुड के स्टाइल आइकल जॉब अब्राहिम, शाहरुख खान, शाहिद कपूर के फैन्स उनके ब्लैक कलर को भी फॉलो करते हैं। शादी, रिसेप्शन, डांस पार्टी, कॉकटेल पार्टी सभी जगह ब्लैक को फॉलो किया जा सकता है। ब्लैक कलर के दीवाने अपनी पसंद का यूनिक ब्लैक डिजाइनर पीस चुन रहे हैं।

व्हाइट फॉर आल

व्हाइट कलर सिर्फ यूथ ही नहीं, बल्कि बिजनेसमैन और पॉलिटिशियन की वॉडरोब का भी हिस्सा बना हुआ है। इसीलिए व्हाइट कलर में मेन्स वियर्स जैसे शर्ट्स, ट्राउजर, टाई, बेल्ट, शेरवानी, सूट, शूज और दूसरी सभी एसेसरीज तक बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं।

सब कुछ कह देता है

फेवरेट कलर

पहले जहां अलग-अलग डिजाइनर्स के कलेक्शन को एक ही स्टोर में जगह मिलती थी, वहीं अब एक स्पेसफिक कलर के सभी डिजाइनर कपड़ों और एसेसरीज पर बेस्ड स्टोर भी शुरू हो गए हैं। एक रोचक बात और भी है कि फैशन को ध्यान में रखकर एक स्पेशल कलर थीम को लेकर अब एक्सपेरिमेंट हो रहे हैं।

इन कलर थीम में इस समय सिटी में ब्लैक, व्हाइट और पिंक थीम आ चुकी है। इन तीनों कलर्स में अगर आपको किसी भी तरह का आउटफिट, शूज, एसेसरीज और हैंडबैग चाहिए, तो आपको पूरी मैचिंग एक ही शॉप पर मिल जाएगी। ये तीनों कलर्स ही ऐसे हैं, जिन्हें यूथ के साथ ही बिजनेसमैन और पॉलिटिशियन भी पसंद करते हैं।

पिंक कलर बेस्ट

ज्वैलरी, हेयर एसेसरीज के साथ ही गिफ्ट आइटम्स आदि में पिंक कलर ही खोजती हैं। ऐसा नहीं है कि उन्हें कोई कलर नहीं भाता, लेकिन पिंक कलर उनकी पहली प्राथमिकता होती है।

पिंक कलर युवतियों का तो हमेशा से ही फेवरेट रहा है। हर गारमेंट शॉप, मेकअप शॉप और एसेसरी शॉप में अपना फेवरेट बेबी और स्पारकलिंग पिंक ढूंढ़ती है। ऐसा माना जाता है कि टीनेजर गर्ल्स के साथ 25 साल तक की गर्ल्स पिंक कलर की ड्रेसेज और एसेसरीज को पसंद करती हैं। ये कलर रोमांस के साथ ही सॉफ्टनेस के लिए भी जाना जाता है। शायद इसीलिए गर्ल्स फैशन एसेसरीज में, फुटवियर्स, बैग, ज्वैलरी, हेयर एसेसरीज के साथ ही गिफ्ट आइटम्स आदि में पिंक कलर ही खोजती हैं। ऐसा नहीं है कि उन्हें कोई कलर नहीं भाता, लेकिन पिंक कलर उनकी पहली प्राथमिकता होती है। लड़कियां गुलाबी और लाल तथा लड़के नीले और हरे रंग के प्रति आकर्षित क्यों होते हैं, इसका कारण चीनी वैज्ञानिकों ने पता लगा लिया है। झीजांग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बताया कि लड़कियों के दिमाग की संरचना इस तरह से है कि वे पके हुए लाल फलों जैसे रंगों की ओर आकर्षित हो जाती हैं, जबकि लड़के आसमान जैसे रंगों को पसंद करते हैं। 350 से अधिक विद्यार्थियों पर रंगों को लेकर किए गए शोध के बाद शोधकर्ता इस नतीजे पर पहुंचे हैं। इस शोध में विद्यार्थियों पर 11 रंगों की पसंद का पता लगाया गया, साथ ही सभी का व्यक्तित्व परीक्षण भी किया गया। इस शोध में यह खुलासा हुआ है कि लड़कियों ने गुलाबी, बैंगनी और सफेद रंगों को पसंद किया, जबकि लड़कों ने नीले और हरे रंग को महत्ता दी। इससे यह भी पता चला है कि अंतर्मुखी लड़के पीले रंग को पसंद करते हैं और लड़कियां ग्रे रंग का चुनाव करती हैं।

खाएं स्वाद से...

चटनी प्याज की

सामग्री

1 स्लाइस में कटा हुआ प्याज, 1 चम्मच हल्दी, 1 चम्मच तेल, 1 चम्मच मैथीदाना, 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, आधा चम्मच कलौंजी, 100 ग्राम बैंगन, 10 ग्राम कटी हुई हरी मिर्च, 100 ग्राम कटी हुई शिमला मिर्च ,500 ग्राम पत्ता गोभी , 1 चम्मच सिरका, 150 ग्राम सेम की फली, स्वाद के अनुसार चीनी।

विधि

तेल गरम करें उसमें प्याज को भूनें । इसमें मैथी दाना, जीरा, सौंफ, हल्दी, हरी मिर्च, और कलौंजी मिलाएं और थोडी देर तक भूनते रहें। अब इसमें कटी हुई पत्तागोभी डालें और धीमी आंच पर पकने के लिए ढंककर रख दे ऊपर से सिरका और चीनी डालें । कुछ देर पकने के बाद गैस बंद कर दे। अब सब्जी तैयार हो गई। चटनी के साथ गरम गरम परोसें।

फिरनी केसर - बादाम

सामग्री

दूध एक लीटर, चावल 200 ग्राम, शक्कर 100 ग्राम, कटी बादाम 20 ग्राम, पिस्ता 15 ग्राम, हरी इलायची छह से आठ, केसर आधा ग्राम, चाँदी या सोने का वर्क।

विधि

चावल को कुछ घंटों तक पानी में भिगो लें और पानी निथारकर पीस लें। दूध को धीमी आँच पर उबालें और चावल, शक्कर, हरी इलायची और केसर मिलाकर तब तक चलाती रहें जब तक दूध गाढ़ा न हो जाए। आँच से हटा कर बादाम और पिस्ता डाल दें। सर्विस बाउल में डालकर ठंडा कर लें। अब बादाम, पिस्ता व चाँदी या सोने के वर्क की गार्निश करें और ठंडा करके परोसें।

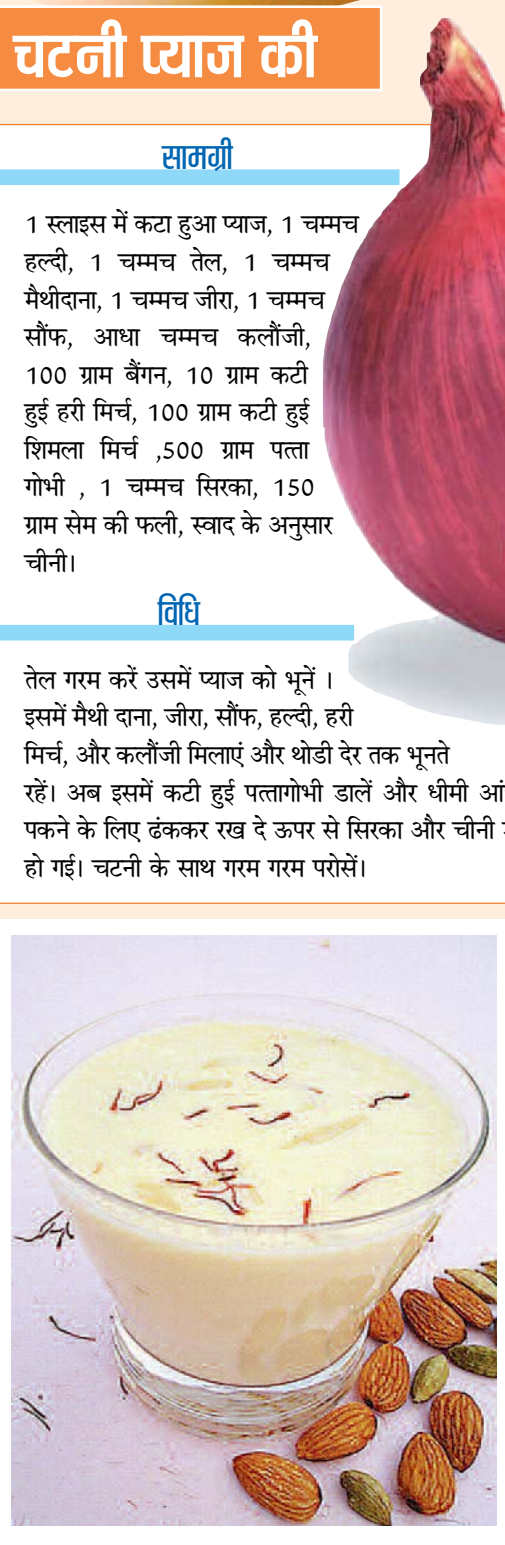

लो फैट मिठाई

सामग्री

250 ग्राम गेहूँ का आटा, 30 ग्राम घी, 200 ग्राम पिसी हुई चीनी या गुड़, एक चम्मच इलायची पावडर, एक चम्मच बादाम पावडर।

विधि

मोटे तले की कड़ाही में आटा भून लें। पिसी चीनी या गुड़ का चूरा कर आटे में मिला लें। मध्यम आँच पर दस निमट तक पकाएँ और थोड़ी-थोड़ी देर पर चलाती रहें। बाद में इलायची और बादाम पांवडर मिला लें। हाथ पर थोड़ा-सा घी लगाकर इनके लड्डू बाँध लें। और खुलकर खाएँ लो फैट मिठाइयाँ।

कुकर के रबड़ पर विशेष ध्यान दें। यदि रबड़ ढीला होगा तो प्रेशर नहीं बनेगा। नया रबड़ हमेशा अच्छी कंपनी का ही खरीदें । कभी रबड़ ढीला हो जाए तो उसे 15 मिनट तक फ्रीजर में रख दें। फिर से प्रेशर बनना प्रारंभ हो जाएगा। कुकर के ढक्कन की सफाई गाकेट उतारकर पुराने टूथ ब्रश से करें ताकि कोई भी खाद्य पदार्थ चिपका न रह जाए। इससे भी प्रेशर बनने में परेशानी होती है। गैस चूल्हे की हर बार खाना बनाने के पश्चात गीले कपड़े से या सूखे कपड़े से सफाई की जाए तो हम कई परेशानियों से बच सकते हैं।

जबसे महिलाओं ने बाहर का मोर्चा संभालना प्रारंभ किया है, विज्ञान ने भी इतने नये उपकरण निकाल दिए हैं कि उन्हें रसोई संभालना, घर की साफसफाई रखना अधिक मुश्किल न लगे पर बिजली के उपकरण भी देखभाल मांगते है ताकि उन्हें लंबे समय तक अपने आराम का साथी बनाया जा सके। माइक्रोवेव, गैस स्टोव, मिक्सर जूसरग्राइंडर, फ्रिज, एसी, टोस्टर, प्रेशर कुकर, एक्जास्ट फैन, चिमनी आदि की सफाई का ध्यान नहीं रखेंगे तो ये हमारा जल्दी साथ छोड़ देंगे और हमारी परेशानी बढ़ जाएगी। तो आइये देखें इनकी देखरेख कैसे की जाए।

कुकर : कुकर हमेशा आईएसआई मार्क का खरीदें जो काफी भारी हो। हलका कुकर जल्दी फट सकता है। कुकर जल्दी खाना बनाने में हमारी मदद करता है और ईंधन की बचत करता है। यदि हम इसके प्रति लापरवाही बरतेंगे तो यह भी हमारे प्रति लापरवाह हो जाएगा। कुकर के ढक्कन का प्रयोग आराम से करें और ढक्कन उपयोग के बाद सावधानीपूर्वक ऐसे स्थान पर रखें ताकि वो गिरे नहीं और दबे नहीं। गिरने से ढक्कन टेढ़ा हो जाता है आर प्रेशर बनने में मुश्किल होती है। कुकर में दाल बनाते समय थोड़ा सा रिफाइंड तेल अवश्य डालें ताकि दाल का पानी बाहर न निकले। कुकर के रबड़ पर विशेष ध्यान दें। यदि रबड़ ढीला होगा तो प्रेशर नहीं बनेगा। नया रबड़ हमेशा अच्छी कंपनी का ही खरीदें। कभी रबड़ ढीला हो जाए तो उसे 15 मिनट तक फ्रीजर में रख दें। फिर से प्रेशर बनना प्रारंभ हो जाएगा। कुकर के ढक्कन की सफाई गाकेट उतारकर पुराने टूथ ब्रश से करें ताकि कोई भी खाद्य पदार्थ चिपका न रह जाए। इससे भी प्रेशर बनने में परेशानी होती है।

गैस चूल्हा : गैस चूल्हे की हर बार खाना बनाने के पश्चात गीले कपड़े से या सूखे कपड़े से सफाई की जाए तो हम कई परेशानियों से

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929